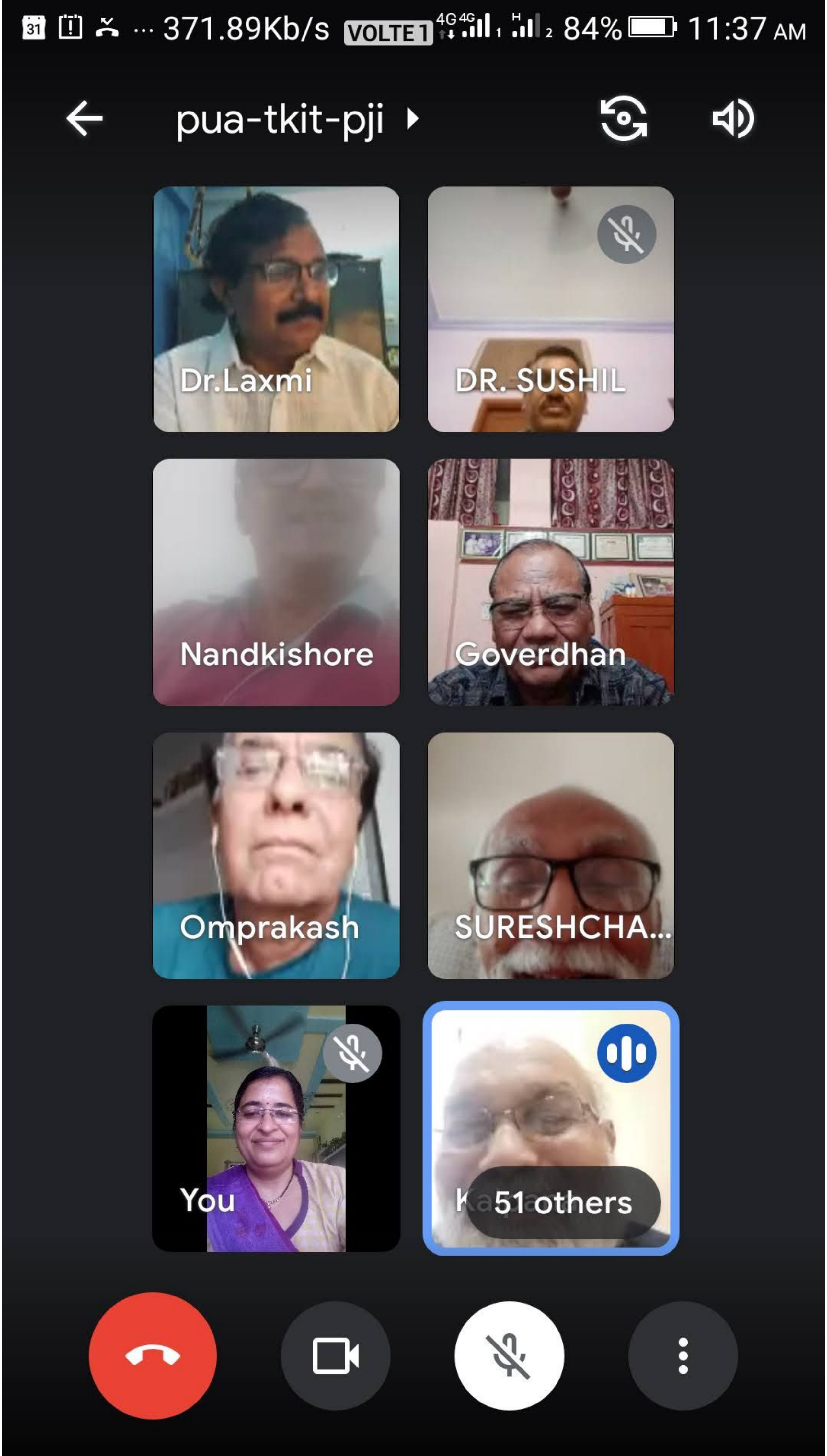
371.89Kb/s
VOLTE 1
84%
11:37 AM
pua-tkit-pji
Dr.Laxmi
DR. SUSHIL
Nandkishore
Goverdhan
Omprakash
SURESHCHA...
You
51 others

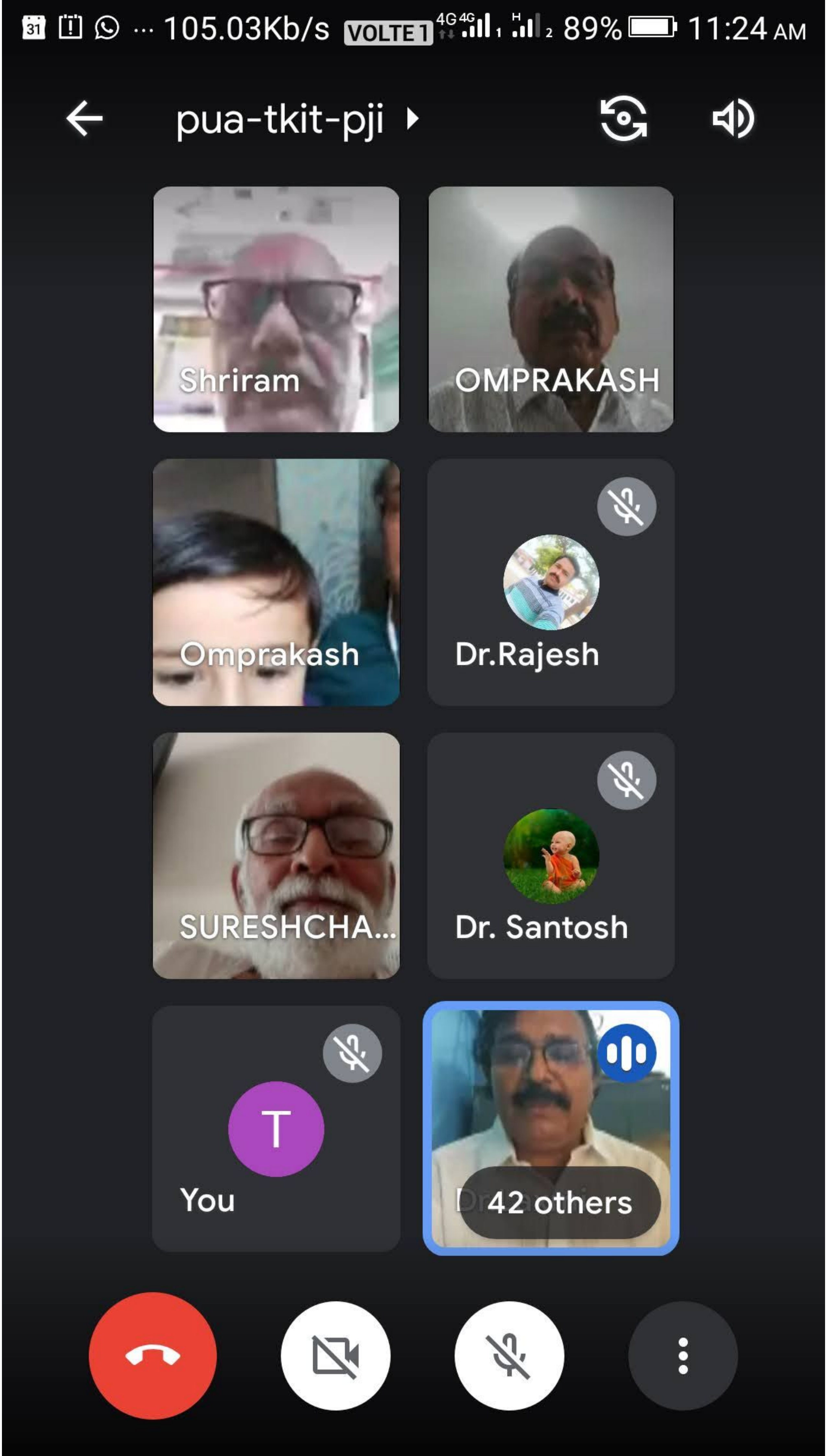
105.03Kb/s
VOLTE 1
89%
11:24 AM
pua-tkit-pji
Shriram
OMPRAKASH
Omprakash
Dr.Rajesh
SURESHCHA...
Dr. Santosh
T
You
42 others

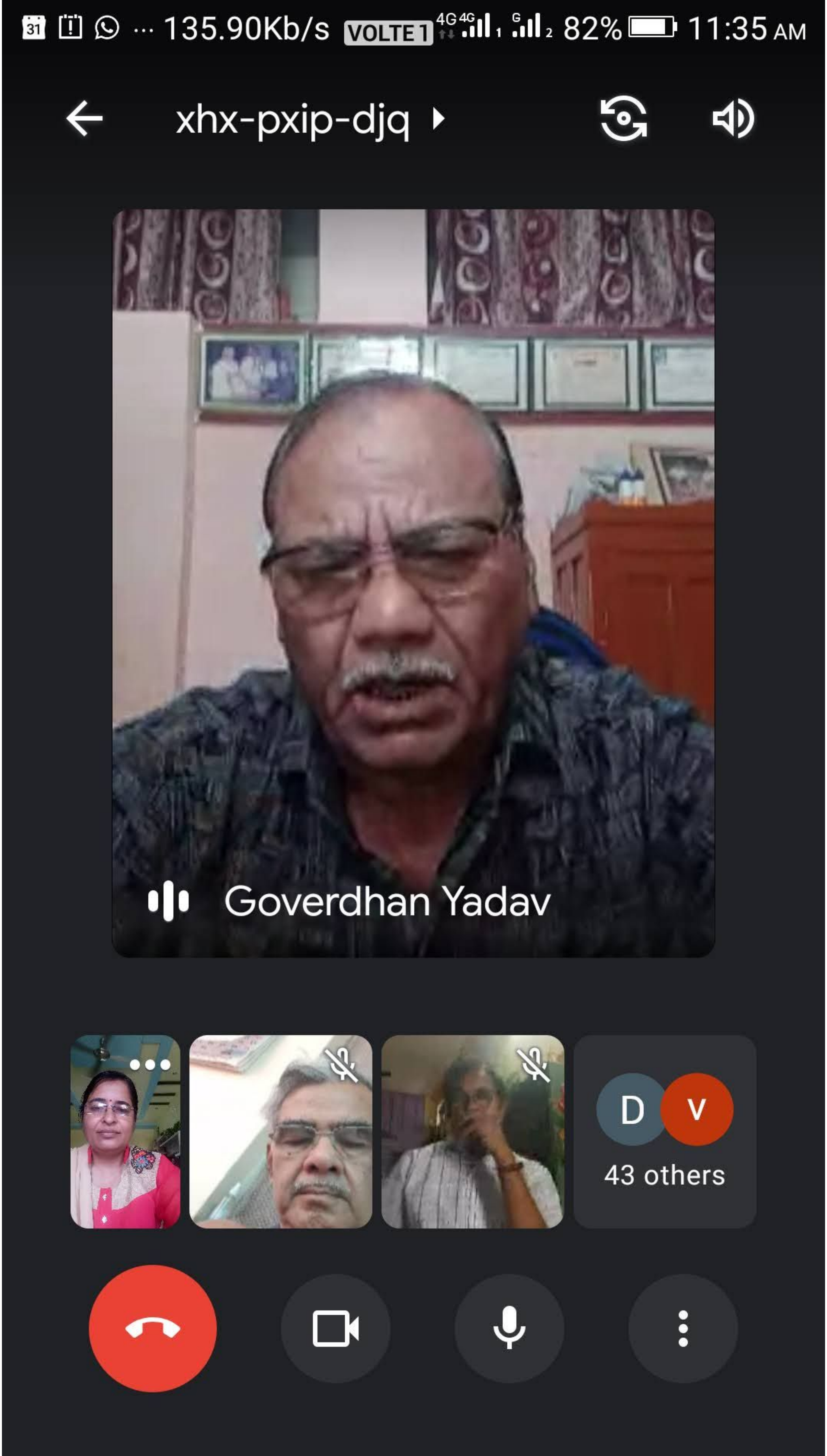
135.90Kb/s VOLTE 1 82% 11:35 AM
xhx-pxip-djq
Goverdhan Yadav
D
V
43 others

12.94Kb/s VOLTE 1 4G 4G 97% 12:00

About this call

People Info

Share joining info

IN CALL

- TEEKMANI PATWARI (You)
- Alfa Pawar
- Jeeta Bhalavi
- Mamta yunati
- failu uikey
- Ranjeeta baghel
- Shweta Nema
- shashishankar marsko...
- Vinita Baghel

गांधी जयंती के अवसर पर पी.जी. कॉलेज में ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। शासकीय पी.जी. महाविद्यालय छिंदवाड़ा के स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार एवं प्राचार्य डॉ. अमिताभ पांडे के मार्गदर्शन में ऑनलाइन वेब व्याख्यान का आयोजन किया गया। नई शिक्षा नीति

मातृभाषा व्यक्ति की हृदय सम्राट व प्राणवायु होती है : प्रो. डॉ. अमरसिंह

2020 में मातृ भाषा और महात्मा गांधी विषय पर आयोजित व्याख्यान में रिसोर्स पर्सन के रूप में प्रो. डॉ लक्ष्मीचंद, प्रो. अमरसिंह और प्रो. डॉ विजय कलमधार ने व्याख्यान दिया । अपने व्याख्यान में राजमाता कन्या महाविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रो. डॉ कलमधार ने कहा कि बचपन से ही व्यक्ति के व्यकित्व का निर्माण होता है और मातृ भाषा की इसमे महत्वपूर्ण भूमिका होती है, उन्होंने शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के डी.जी. लॉकर संकल्पना पर बात करते हुए इसे विद्यार्थियों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

शासकीय महाविद्यालय चाँद के अंग्रेजी विभागाध्यक्ष और मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. अमरसिंह ने मातृ भाषा के व्यापक स्वरुप और व्यक्ति ने जीवन मे इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मातृ भाषा स्वयं को विकसित करने, चरित्र निर्माण और चेतना विकास में जादुई काम करती है उन्होने हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत भाषा से उद्धरण देते हुए बताया कि गाँधीजी की लोकप्रियता में मातृ भाषा का महत्वपूर्ण योगदान रहा । शासकीय पी.जी. महाविद्यालय छिंदवाड़ा के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. लक्ष्मीचंद ने स्थानीय उदाहरण के माध्यम से नई शिक्षा नीति के महत्व को बताया उन्होंने कहा कि जब बच्चे अपनी मातृ भाषा मे शिक्षा प्राप्त करते है तो वे संकल्पनाओं को बेहतर तरीके से समझ पाते है । गाँधीजी पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि गाँधीजी सिद्धांत पालन के पक्के थे और इसी कारण उन्हें जनसामान्य की स्वीकृति मिली और वे देश की स्वतंत्रता के प्रतीक पुरुष बन गए ।

आयोजन के सम्बंध में प्राचार्य डॉ. अमिताभ पांडे ने कहा कि व्याख्यान के माध्यम से नई शिक्षा नीति में मातृभाषा के महत्व और महात्मा गांधी जी को और बेहतर तरीके से समझने में सहायता मिली । प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. इरफान अहमद ने आयोजन के उद्देश तथा इसके महत्व पर अपने विचार रखते हुए कहा कि कॅरियर गाइडेंस प्रकोष्ठ के माध्यम से निरन्तर रोजगारपरक, आत्मनिर्भर और प्रेरक व्याख्यानो का आयोजन किया जा रहा है ताकि विद्यार्थी अपने घर पर रहकर भी मार्गदर्शन से वंचित न रह पाए।

कार्यक्रम का सफल संचालन हिंदी विभाग की डॉ. टिकमणी पटवारी ने किया तथा आभार प्रदर्शन करते हुए अंग्रेजी विभाग के प्रो. डॉ. पी. एन. सनेसर ने कहा कि जिस प्रकार वैदिक संस्कृति में गाय को गौमाता, धरती को धरती माता कहकर सम्बोधित किया जाता है, ठीक उसी प्रकार व्यक्ति की भाषा को भी माता का सम्मान देते हुए मातृ भाषा कहा जाता है एहम सबका यह दायित्व है कि हम अपनी संस्कृति और भाषा के स्वाभिमान को बनाये रखे ।

ऑनलाइन व्याख्यान में शामिल डॉ. विनोद माहुर पवार, डॉ. तृप्ति मिश्रा, डॉ. नन्दा हलदे, डॉ. युवराज पाटिल, डॉ. पखाले, डॉ. निखिल कानूनगो, अनिल दुबे, अभिलाष श्रीवास, नीलिमा सोनी, मोहित भारत, एन.एस.एस. के दिनेश साहू ने अपने फीडबैक में आयोजन को उपयोगी और सार्थक बताया ।

हिन्दी भाषा जनमानस की भाषा

कांग्रेस सेवादल द्वारा हिन्दी दिवस पर परिचर्चा

छिन्दवाड़ा14 सितंबर(जनपक्ष)। कॉंग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष सुरेश कपाले ने बताया कि आज स्थानीय कॉंग्रेस सेवादल कार्यालय में हिन्दी दिवस पर परिचर्चा एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया ,इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिले के प्रख्यात साहित्यकार एवं कवि राजेन्द्र राही जी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डालते हुये, कहा कि भारत विभिन्नताओं वाला देश है ,यहाँ पर हर राज्य की अलग सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं ऐतिहासिक पहचान है । यही नहीं भाषा के अलावा सभी जगह की बोली भी अलग-अलग है। इसके बावजूद भी हिन्दी भारत में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा है ,यही वजह है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिन्दी भाषा को जनमानस की भाषा कहा इस संगोष्ठी में भाग लेने वाले प्रमुख वक्ता सेवादल जिलाध्यक्ष सुरेश कपाले ,दीपक वाजपेयी ,संजय पाण्डेय ,निखिलेश चरण दुबे ,चंदू ठाकरे ने भाग लिया एवं संगोष्ठी का आभार प्रदर्शन दिनेश डेहरिया ने किया। इस अवसर पर कॉंग्रेस सेवादल के मिलिन्द नाडकर ,राकेश मरकाम ,कमल राय, कमल मदान, शेषराव उइके, पूनाराम देशवाले ,कन्हैया सिगोनिया, राम कुमार डेहरिया, राजू विश्वकर्मा ,लवकेश यादव, अजय नागपुरे, सतीश डेहरिया, महेन्द्र सिंह ठाकुर, जितेन्द्र चैहान, सुनील इंगले,महेश गढ़ेवाल, प्रेम उइके, विनोद चौरे, पंचम अमरोदे, मनोज पांडे,संजय विश्वकर्मा, राधे सूर्यवंशी, अर्जुन मरकाम, डॉ.शबाना यासमीन खान, सहित बड़ी संख्या में कॉंग्रेस सेवादल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे ।

हिन्दी की उपयोगिता तभी होगी जब हम इसे अपने आचरण में उतारेंगे

हिन्दी दिवस पर वेबीनॉर

क्षेत्रीय लोक संपर्क ब्यूरो, छिन्दवाड़ा द्वारा आज हिन्दी दिवस के अवसर पर आज के परिवेश में हिन्दीा भाषा की उपयोगिता विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार मे शासकीय स्व शासकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय छिन्दवाड़ा के हिन्दी विभाग के विभागाध्यसक्ष डॉ. लक्ष्मी चंद बड़गैया, सहायक प्राध्यापक डॉ. टीकमणि पटवारी, मुख्य। वक्ता के रूप में शामिल हुये । साथ ही विश्व प्रकृति निधि जिला समन्वयक छिन्दवाड़ा विनोद तिवारी, प्रादेशिक लोक संपर्क ब्यू रो के कार्यालय प्रमुख अजय उपाध्याय और निर्मला इंग्लिस मीडियम स्कूल छिंदवाड़ा के शिक्षकगण व छात्र छात्राएं सहित अन्य साहित्यकार गन समाज सेवियों सहित अन्य जनों ने वेबीनार के माध्यम से विशेष रूप से शामिल हुये। कार्यक्रम में वक्ता डॉ. टीकमणि पटवारी ने कहा कि व्यक्ति के लिए भाषा का एक महत्वपूर्ण स्थान होता है। हिन्दी. एक वैज्ञानिक भाषा मानी जाती है , और हिन्दी की उपयोगिता तभी होगी जब हम इसे अपने आचरण में उतारेंगे। मानव सभ्यतता में जितने भी अविस्कार हुए है उनमें हिन्दी भाषा का अविस्कार सबसे महत्वतपूर्ण है। हिन्दी हमारी अस्तित्व, अस्मिता की पहचान है। भाषा का मनुष्य के जीवन को सरल बनाने में महत्व्पूर्ण योगदान है। आधुनिक युग में हिन्दी न केवल साहित्य बल्कि सभी क्षेत्रों में अपना सिक्का जमा रही है। हिन्दीा भाषा को अपने आचरण में शामिल करने से ही इसका सही रूप से विस्ता होगा । शुद्ध उच्चा रण, लेखन, और संयम से ही इसका प्रचार प्रसार होगा। हिन्दी ने दूसरी भाषाओं के विभिन्न शब्दों को अपने में आत्मंसार किया है इसलिए इसकी शब्दकोश बहुत बड़ी है । हिन्दी के प्रचार प्रसार के लिए भारत के नागरिकों की जिम्मेदारी है। कई देशों में भी हिन्दी की पत्र पत्रिकाओं का प्रकाशन हो रहा है, और उसे पढ़ा भी जा रहा है। हिन्दी के क्षेत्र में भी रोजगार के कई अवसर उपलब्धो हैं। प्रमुख वक्ता डॉ. लक्ष्मीचंद ने कहा कि, हिन्दी भाषा ही है जो हमें जोड़े हुए है। भारत में बहुत सारे लोग हिन्दी भाषा का उपयोग कर रहे हैं । हम जो बोलते है वही लिखते है इसलिए शुद्ध उच्चालरण करना बहुत जरूरी है ताकि भाषा की शुद्धता बनी रहे। समाजसेवी विनोद तिवारी ने कहा कि आज की महत्वपुर्ण जरूरत हे कि हिन्दी भाषा का अधिक से अधिक उपयोग किया जाये और अंग्रेजी माध्यम के सभी स्कुलो में हिन्दी का उपयोग किया जाना बहुत जरूरी है। हम छोटी छोटी चीजों को अपनाकर परिवर्तन ला सकते है हम आज प्रतिज्ञा करें कि आज से हम अपना हस्ताक्षर हिन्दी में करेंगे। आज शपथ ले कि हम अपना नाम पट्टिका हिन्दीक में बनवायेंगे। हमें हिन्दी को अपनाना होगा ताकि उसका विकास और ज्या दा से ज्यादा किया जा सके। प्रचार अधिकारी राम सहाय प्रजापति ने वेबिनार का संचालन करते हुए कहा कि 14 सितम्ब र 1949 को संविधान सभा ने एक मत से इसे भारत की राजभाषा स्वीकार की थी और सन् 1953 से प्रतिवर्ष हम 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के रूप में मनाते है।

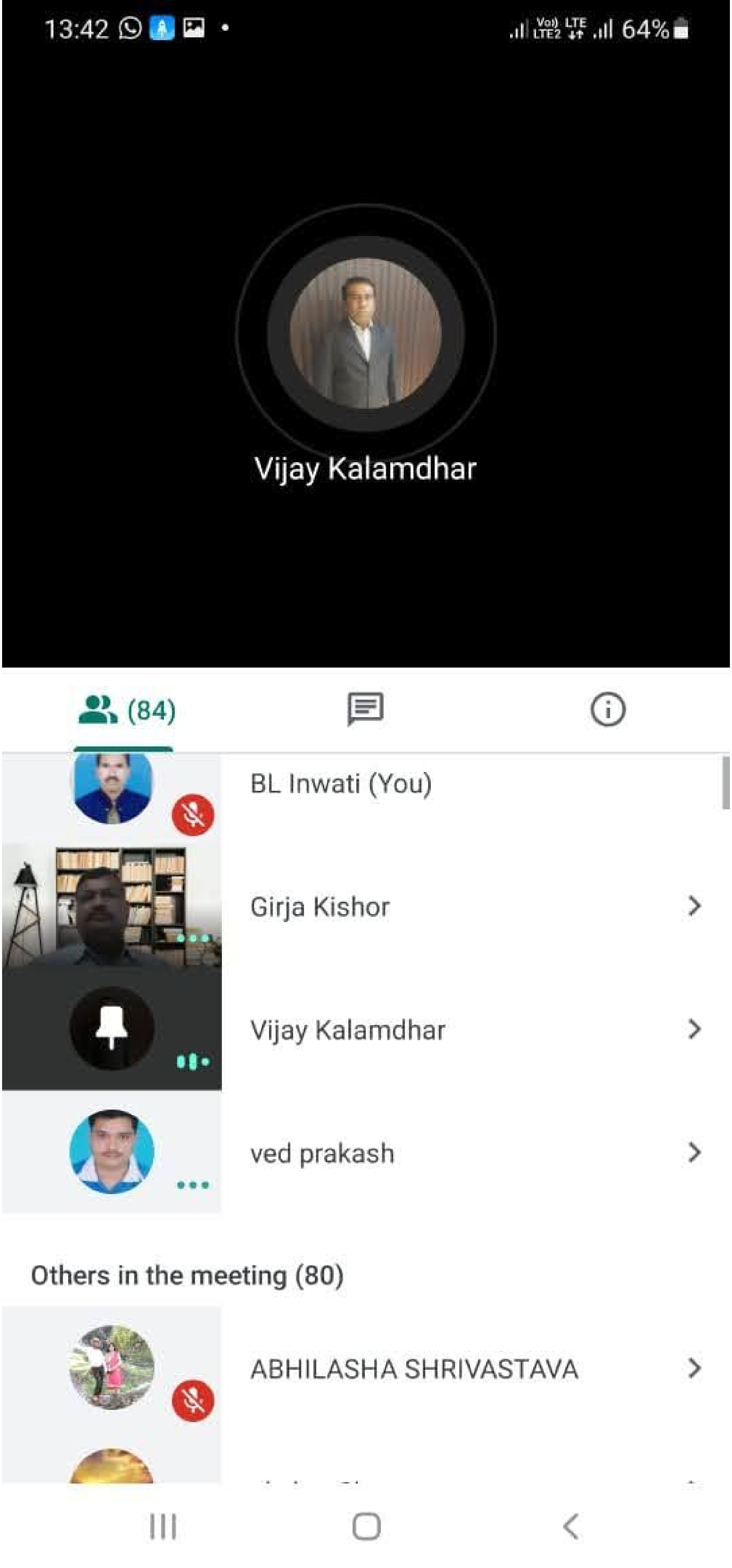
13:42
64%
Vijay Kalamdhar
(84)
BL Inwati (You)
Girja Kishor
Vijay Kalamdhar
ved prakash
Others in the meeting (80)
ABHILASHA SHRIVASTAVA

Nomadic Festival

25th June @11:40 "प्रकृति, संस्कृति और घुमंतु समुदाय"

ZOOM ID : 88629989629

PASSCODE : 939126

12:11
82%
(64)
BL Inwati (You)
Dr.Laxmi chand
Amitabh Pande
TEEKMANI PATWARI
Others in the meeting (60)
A
Alfa Pawar

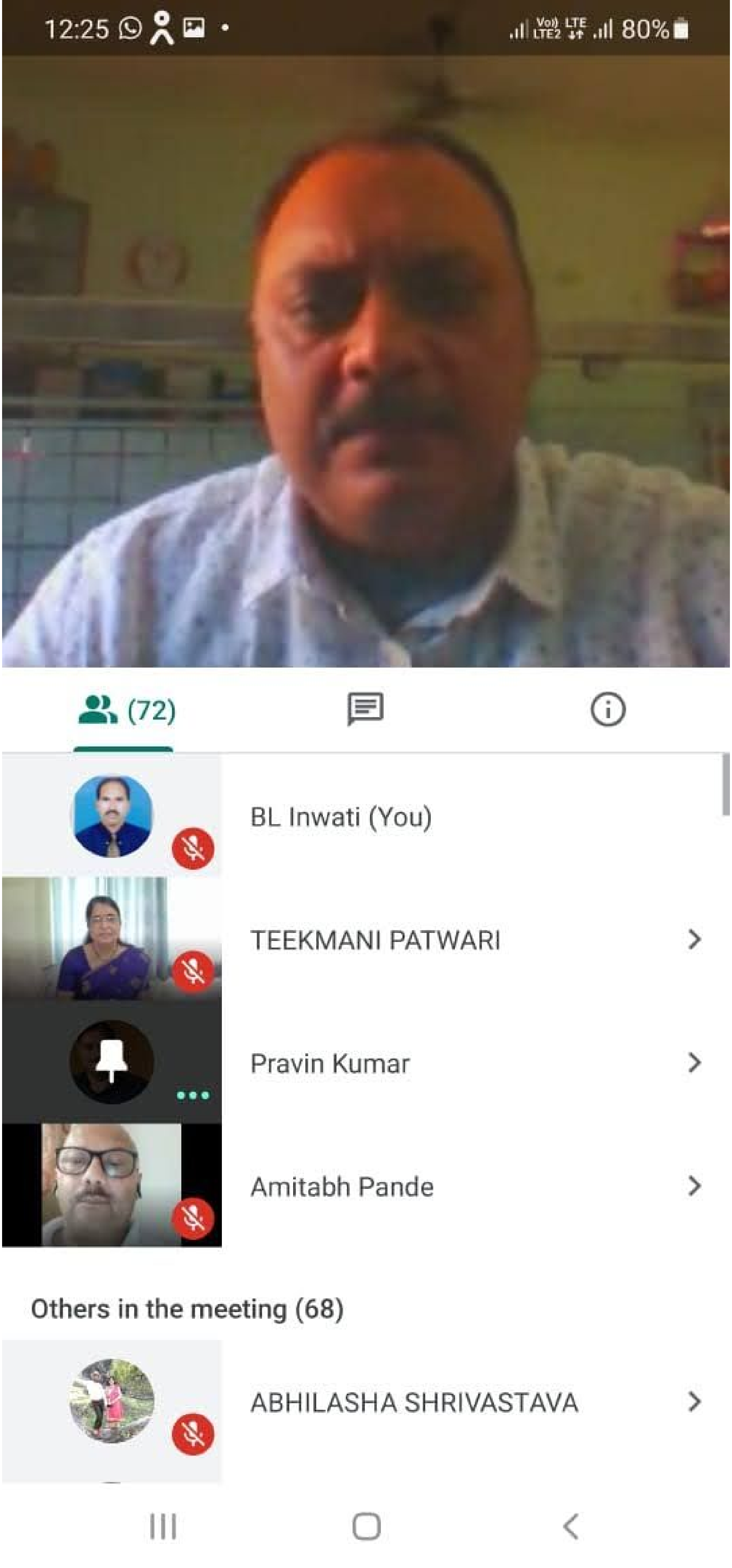
12:25
80%
(72)
BL Inwati (You)
TEEKMANI PATWARI
Pravin Kumar
Amitabh Pande
Others in the meeting (68)
ABHILASHA SHRIVASTAVA

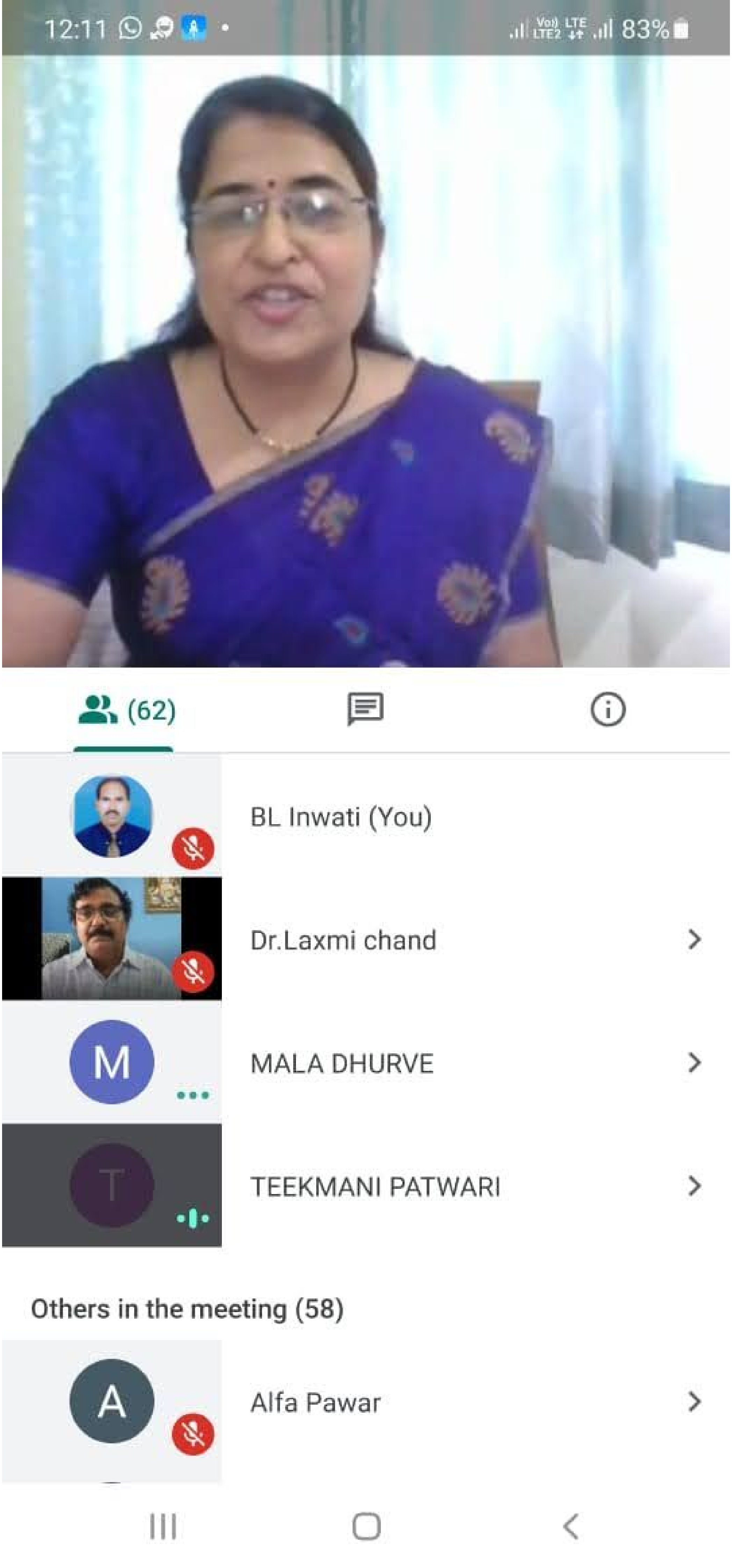
12:11
83%
(62)
BL Inwati (You)
Dr.Laxmi chand
MALA DHURVE
TEEKMANI PATWARI
Others in the meeting (58)
Alfa Pawar

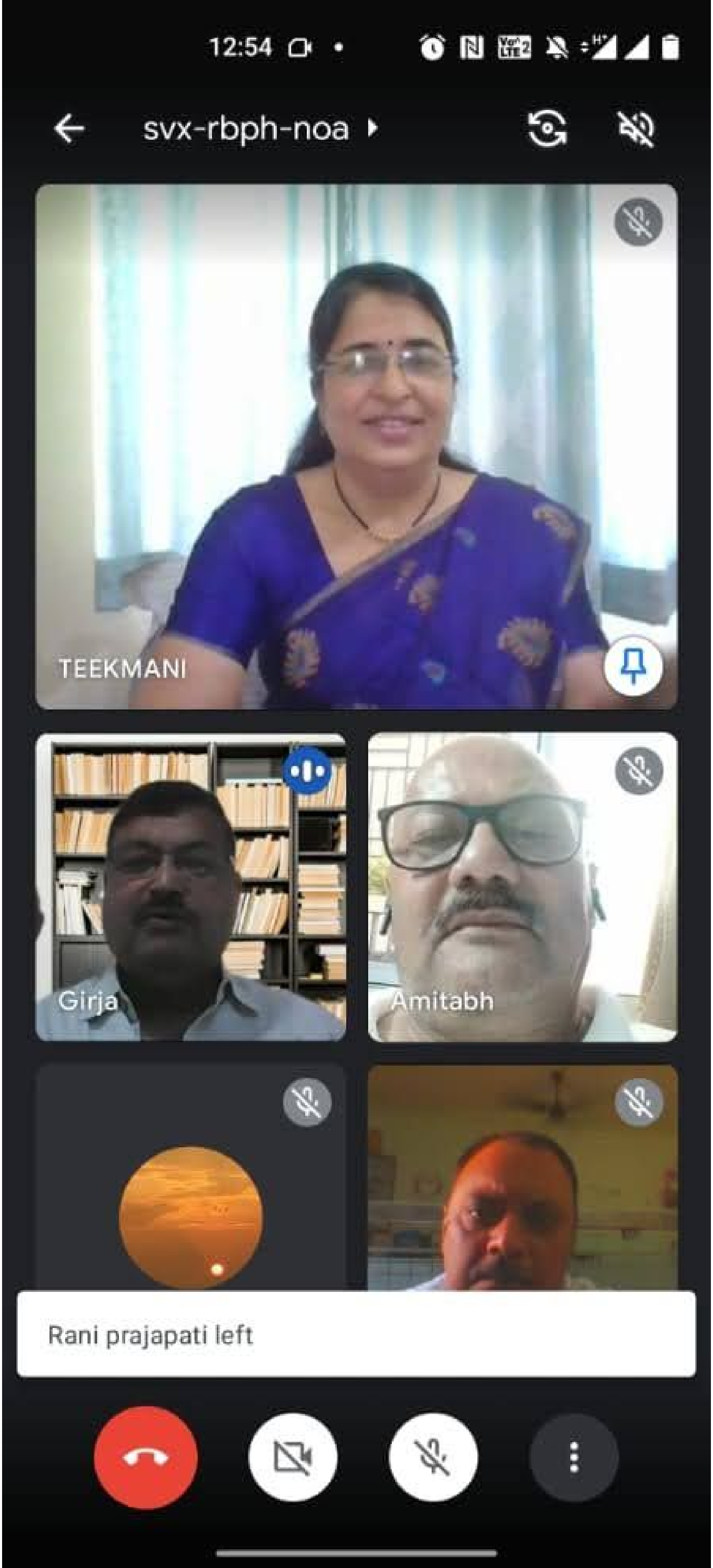
12:54
svx-rbph-noa
TEEKMANI
Girja
Amitabh
Rani prajapati left

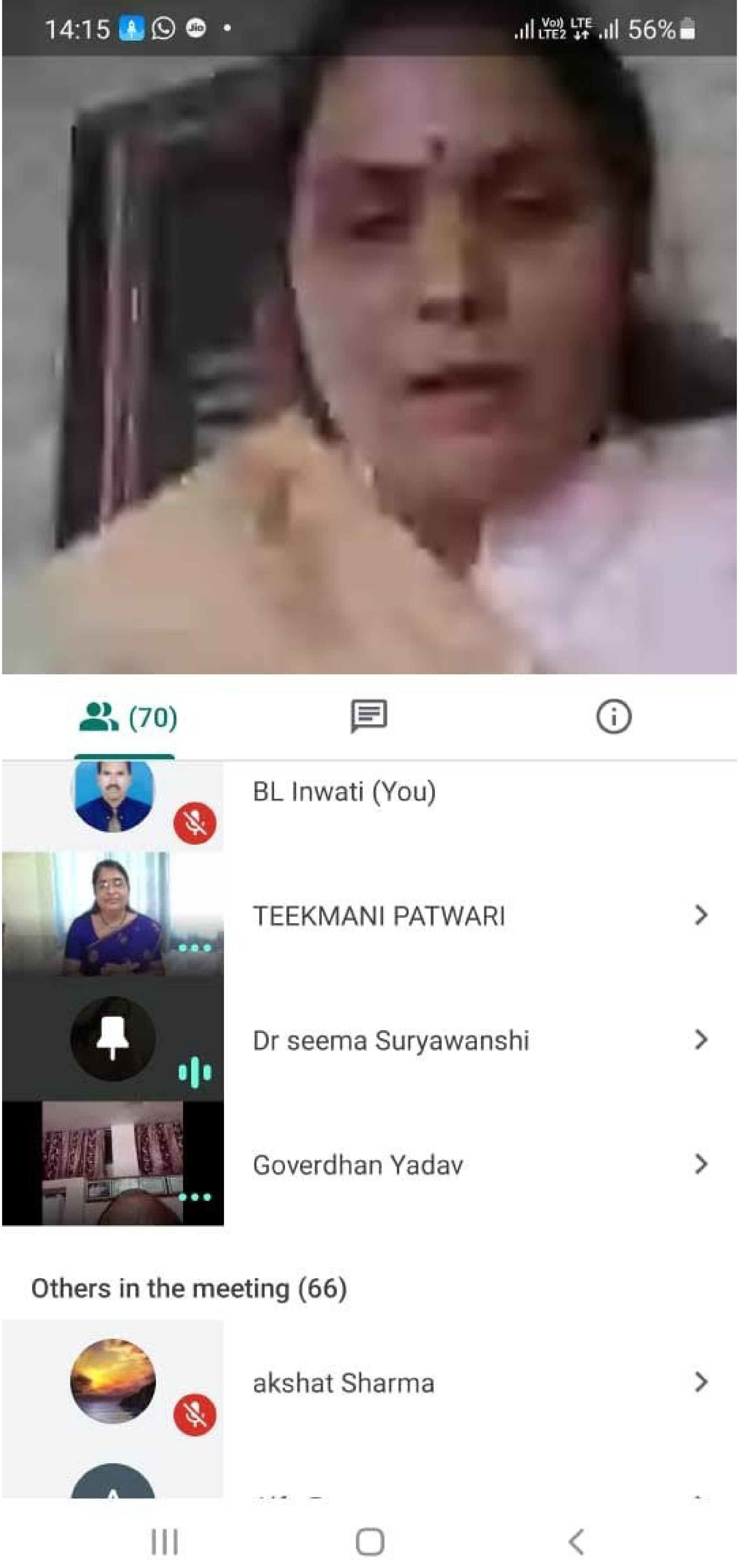
14:15
56%
(70)
BL Inwati (You)
TEEKMANI PATWARI
Dr seema Suryawanshi
Goverdhan Yadav
Others in the meeting (66)
akshat Sharma

12:55
svx-rbph-noa
TEEKMANI
Girja
Amitabh
You
Pravin
83 others

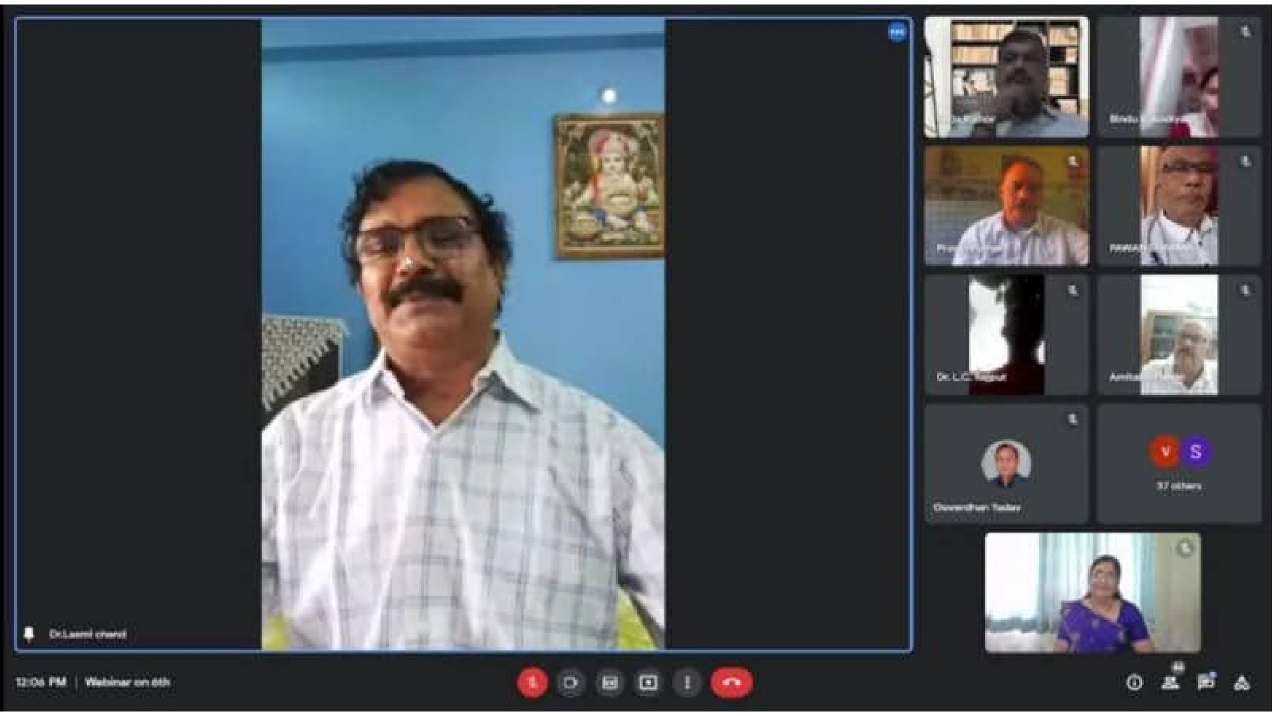
Dr. L.C. Rajput
37 others
12:06 PM
Webinar on 6th

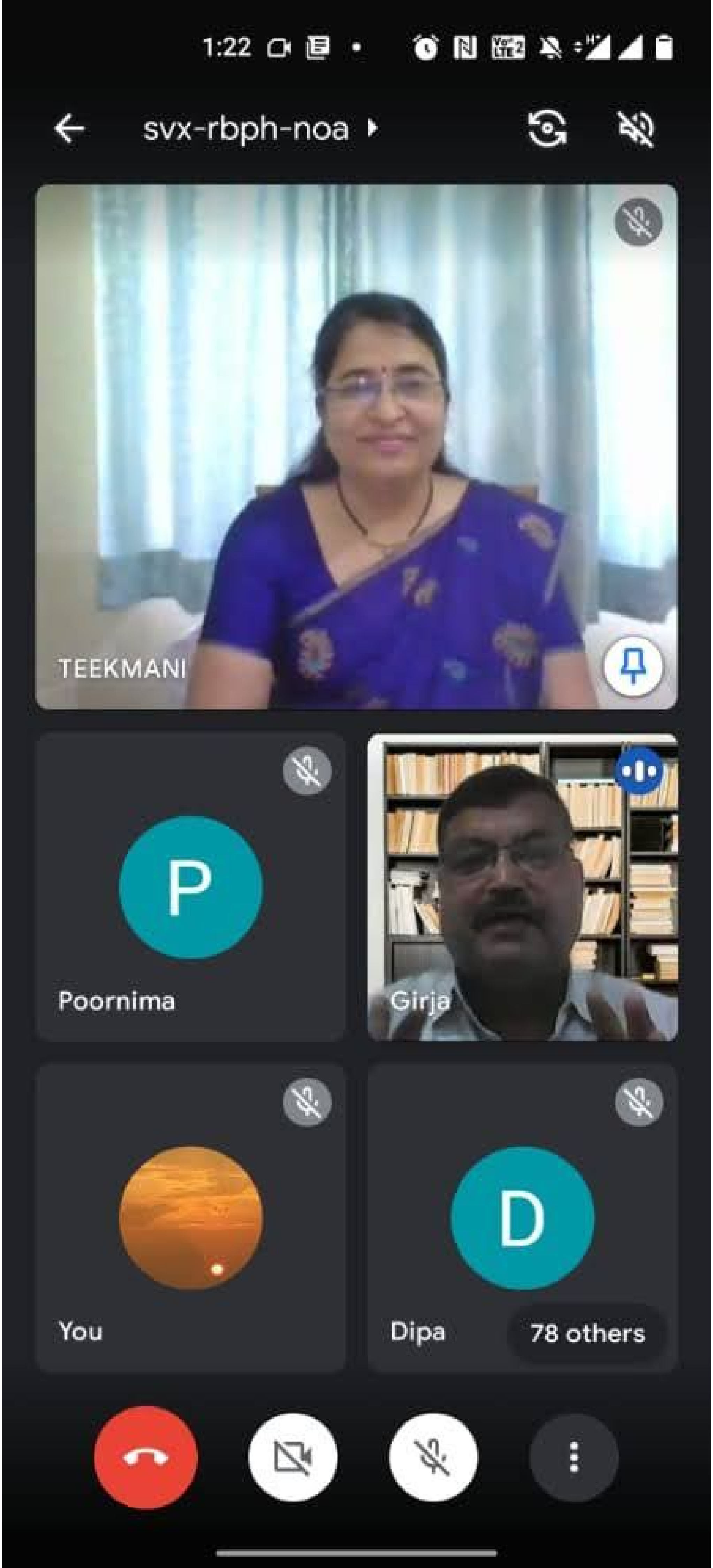
1:22
svx-rbph-noa
TEEKMANI
P
Poornima
Girja
You
D
Dipa
78 others

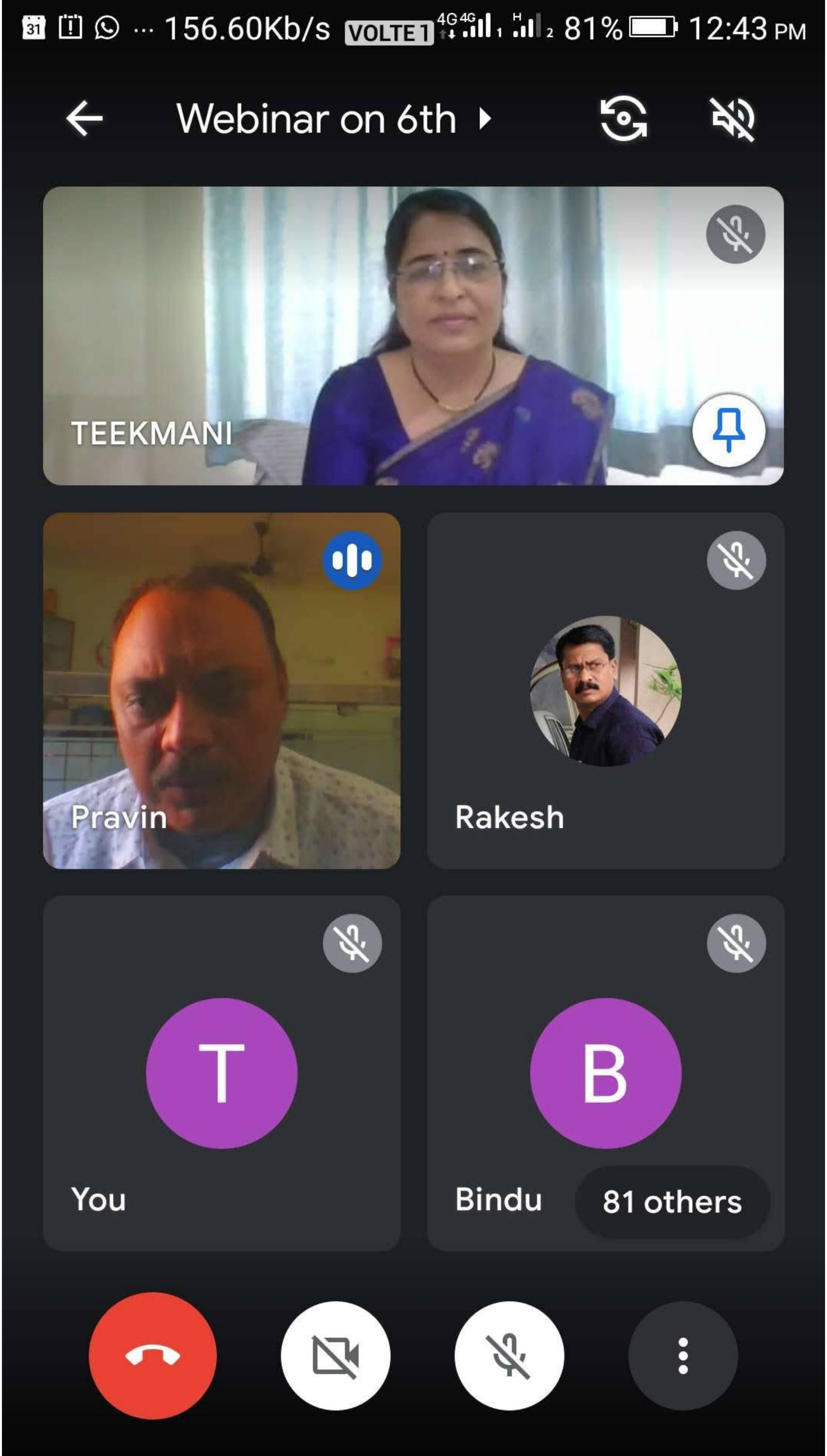

156.60Kb/s
VOLTE 1
81%
12:43 PM
Webinar on 6th
TEEKMANI
Pravin
Rakesh
T
You
B
Bindu
81 others

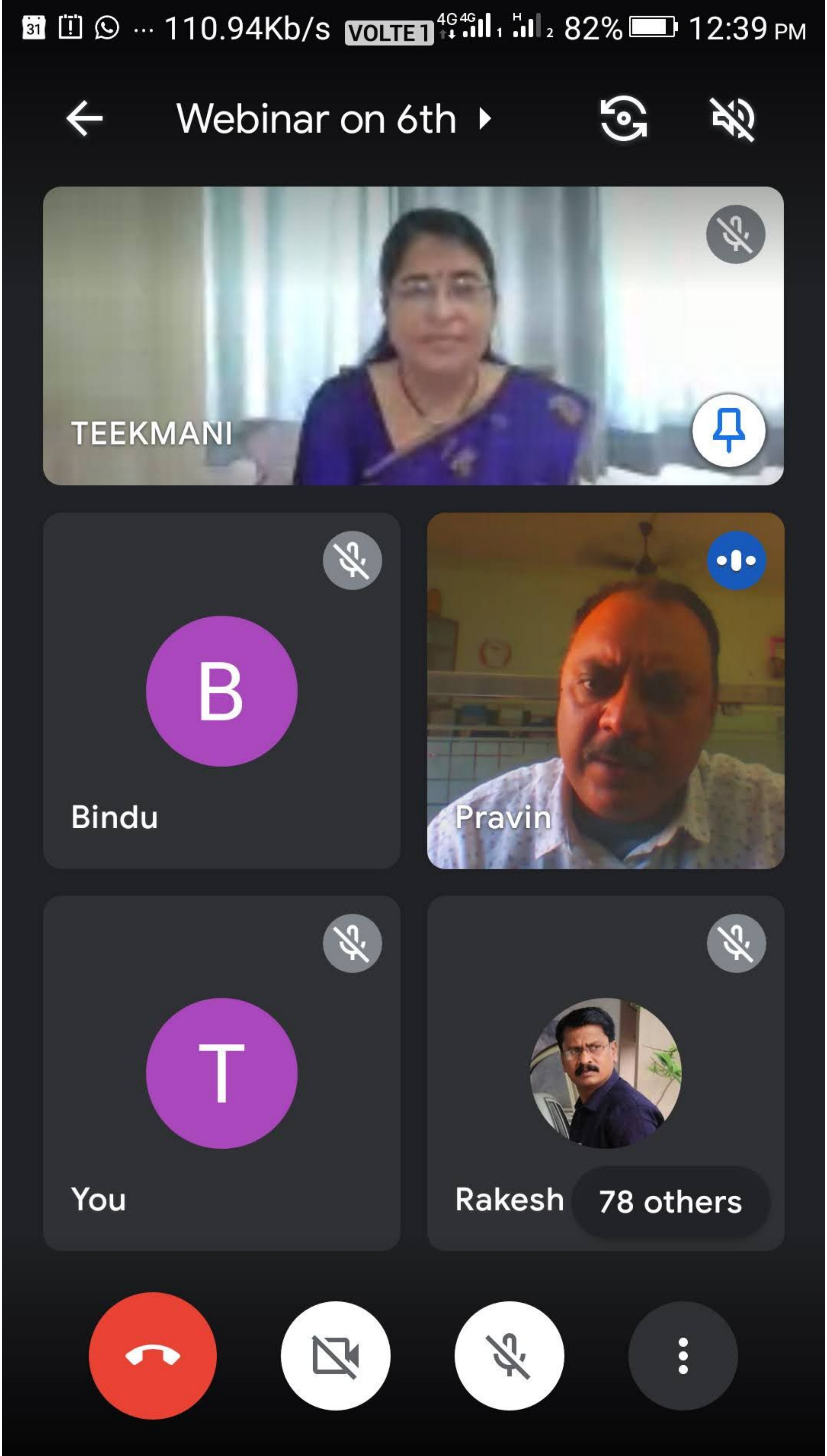
110.94Kb/s
VOLTE 1
82%
12:39 PM
Webinar on 6th
TEEKMANI
B
Bindu
Pravin
T
You
Rakesh
78 others

23.48Kb/s VOLTE 1 4G 4G 93% 11:22 AM

About this call

People | Info

- TEEKMANI PATWARI (You)
- Alfa Pawar
- Banti Yadav 72
- Chanda Baghel
- Diyaprasad Dhurve
- Dr. Rachna Lariya
- Dr.Laxmi chand
- failu uikey
- Gita Uikey
- Govind Dhurve
- MALA DHURVE

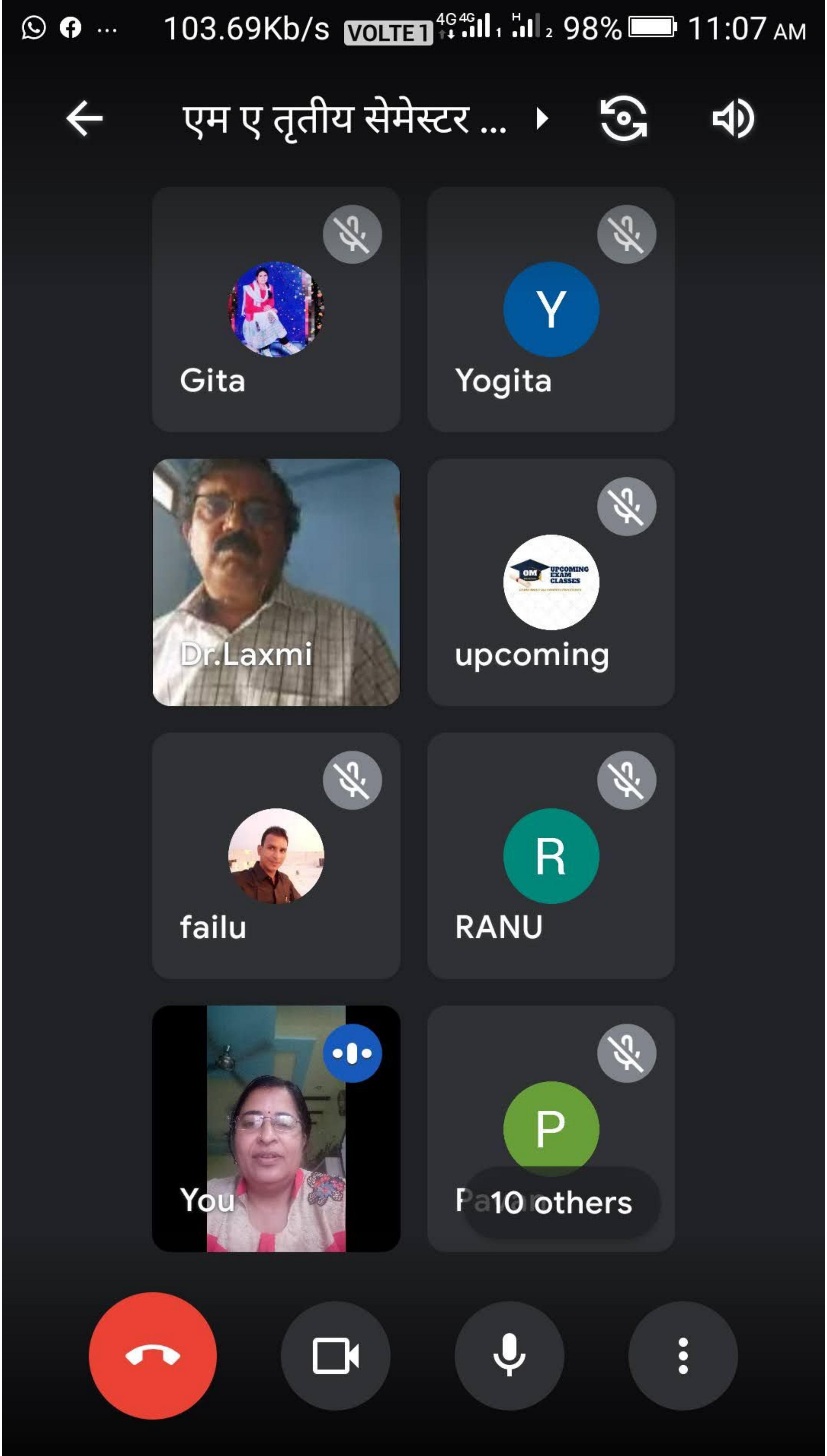
103.69Kb/s VOLTE 1
98% 11:07 AM
एम ए तृतीय सेमेस्टर ...
Gita
Y
Yogita
Dr.Laxmi
upcoming
failu
R
RANU
You
P
10 others

16.59Kb/s VOLTE 1 4G 4G H 93% 11:22 AM

About this call

People Info

MALA DHURVE

Mamta yunati

Pavan Dehariya

raja nagwanshi

RANU VERMA

shashishankar marsko...

Shivam Saryam

Shweta Nema

sunil dole

upcoming exam class...

Yogita Thange

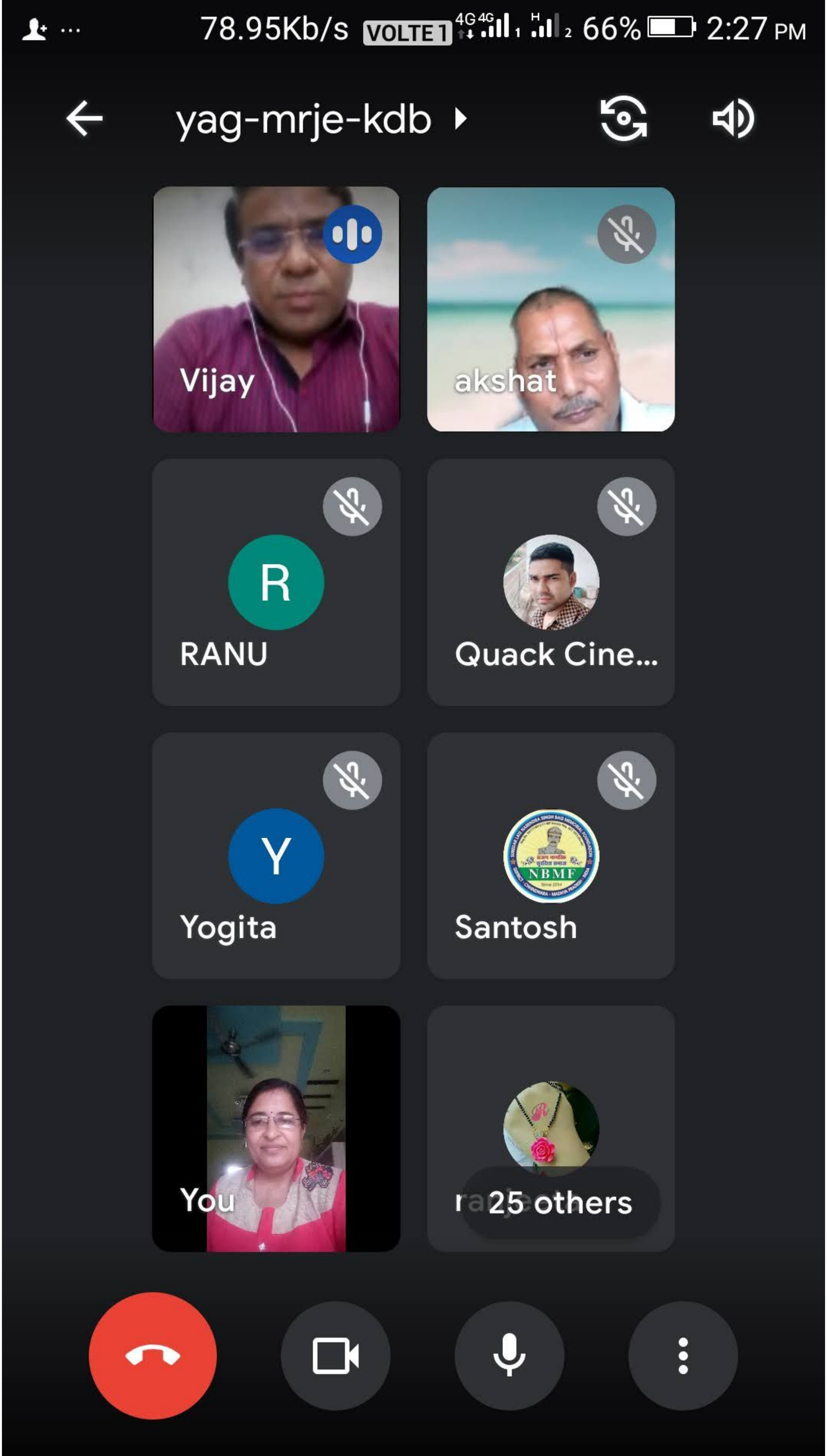
78.95Kb/s
VOLTE 1
66%
2:27 PM
yag-mrje-kdb
Vijay
akshat
R
RANU
Quack Cine...
Y
Yogita
NBMF
Santosh
You
25 others

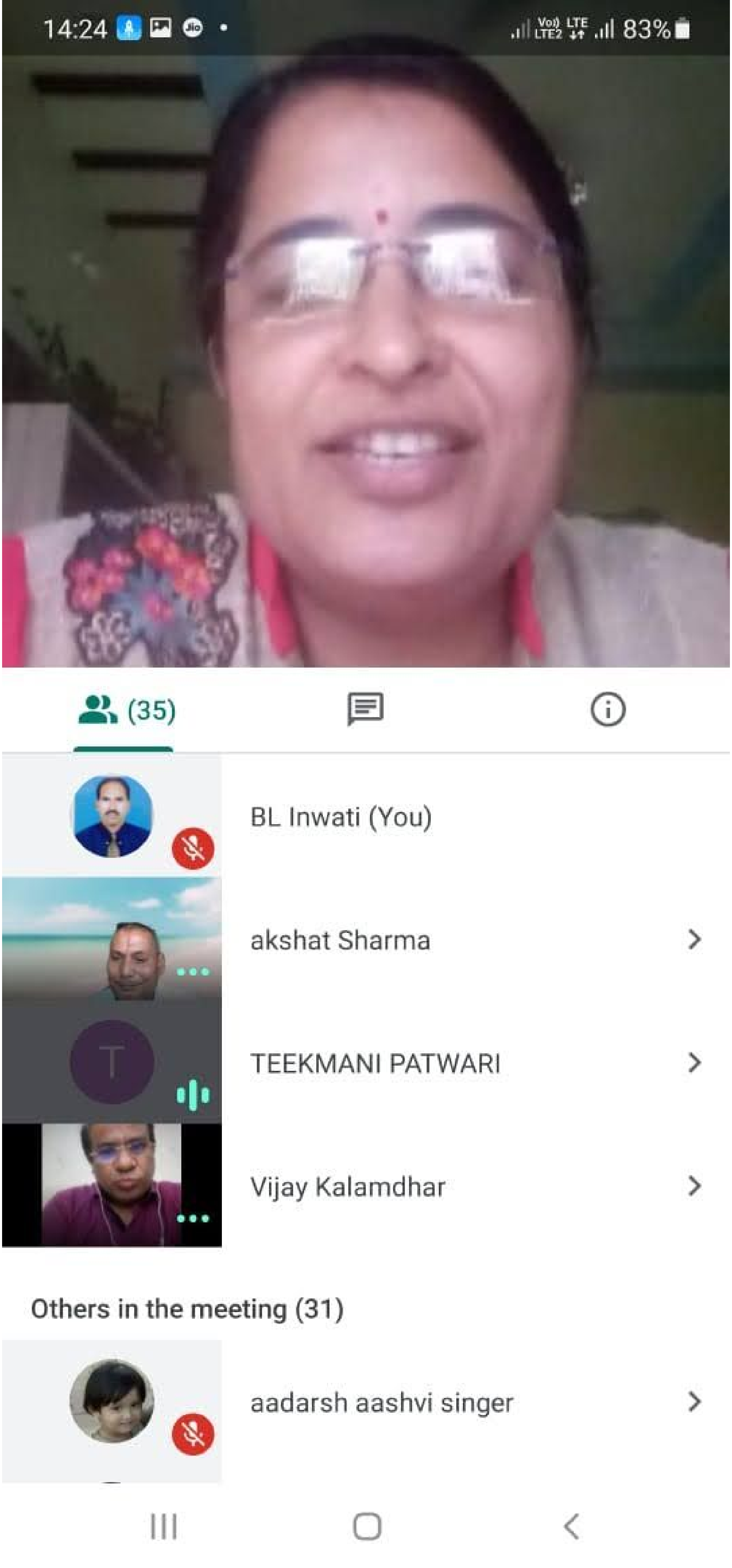
14:24
83%
(35)
BL Inwati (You)
akshat Sharma
TEEKMANI PATWARI
Vijay Kalamdhar
Others in the meeting (31)
aadarsh aashvi singer

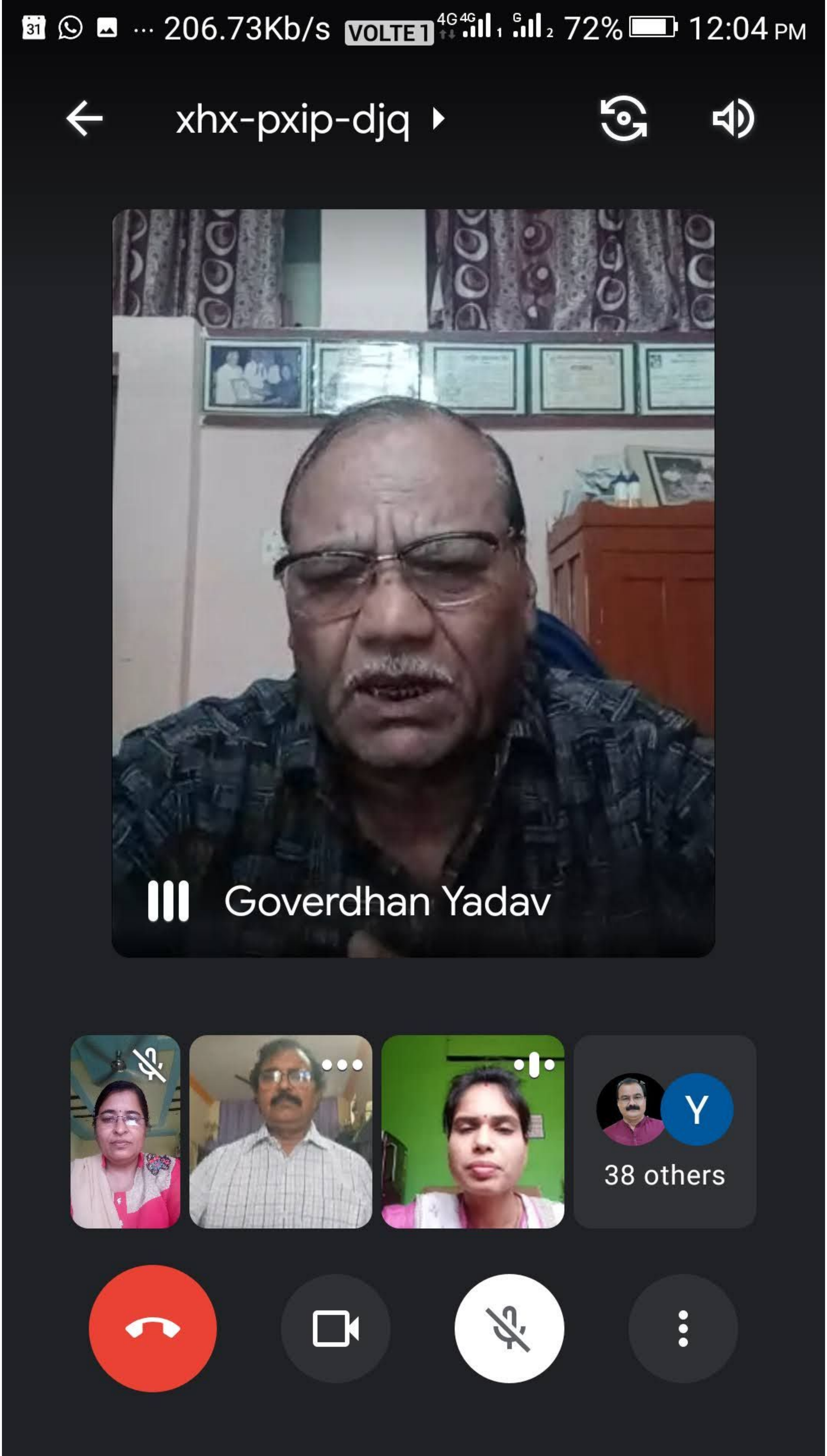
206.73Kb/s
VOLTE 1
72%
12:04 PM
xhx-pxip-djq
Goverdhan Yadav
Y
38 others

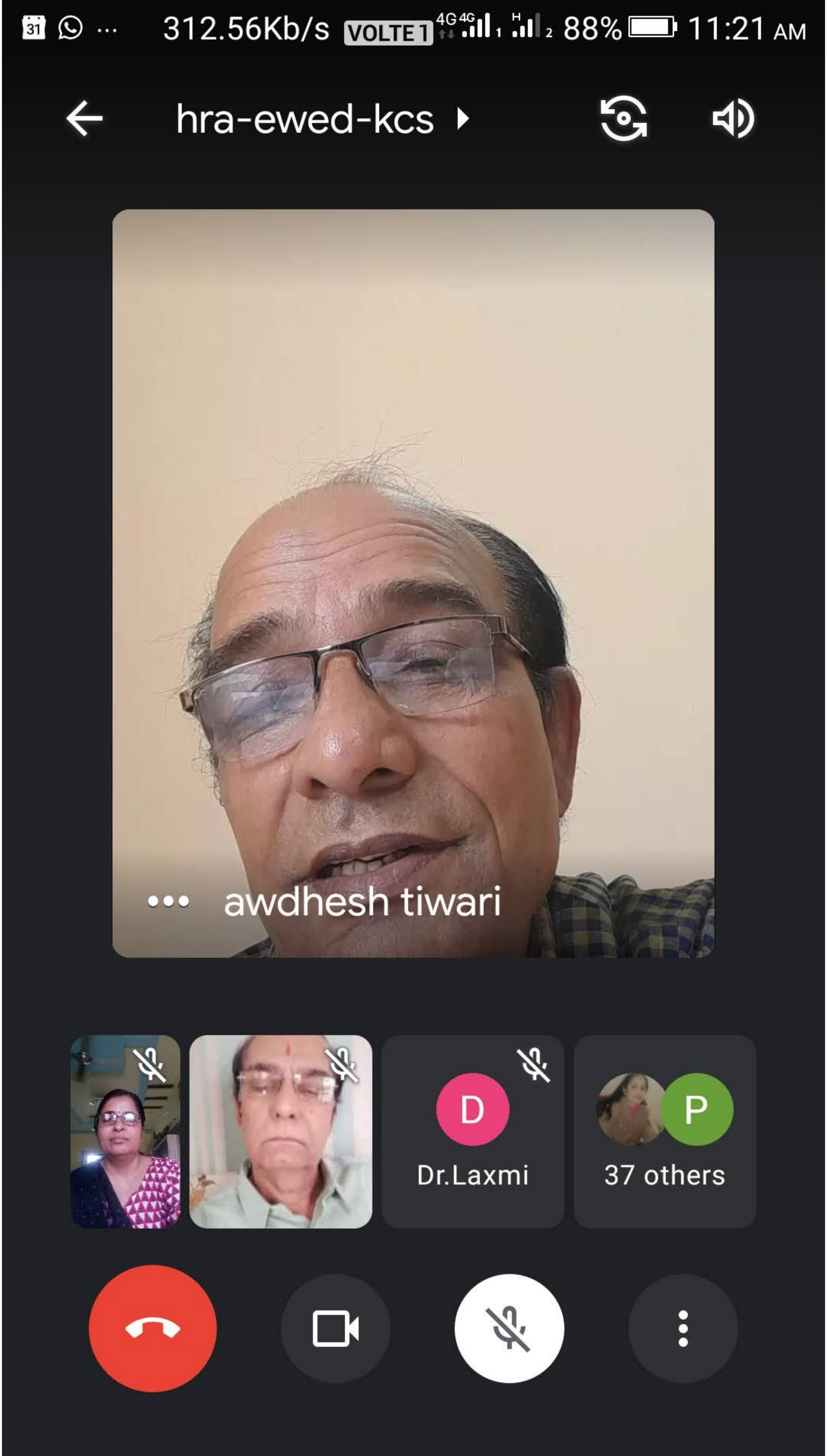
312.56Kb/s VOLTE 1 88% 11:21 AM
hra-ewed-kcs
awdhesh tiwari
D
Dr.Laxmi
P
37 others

85.12Kb/s
VOLTE 1
93%
11:21 AM
PAWAN SHARMA
a
44 others

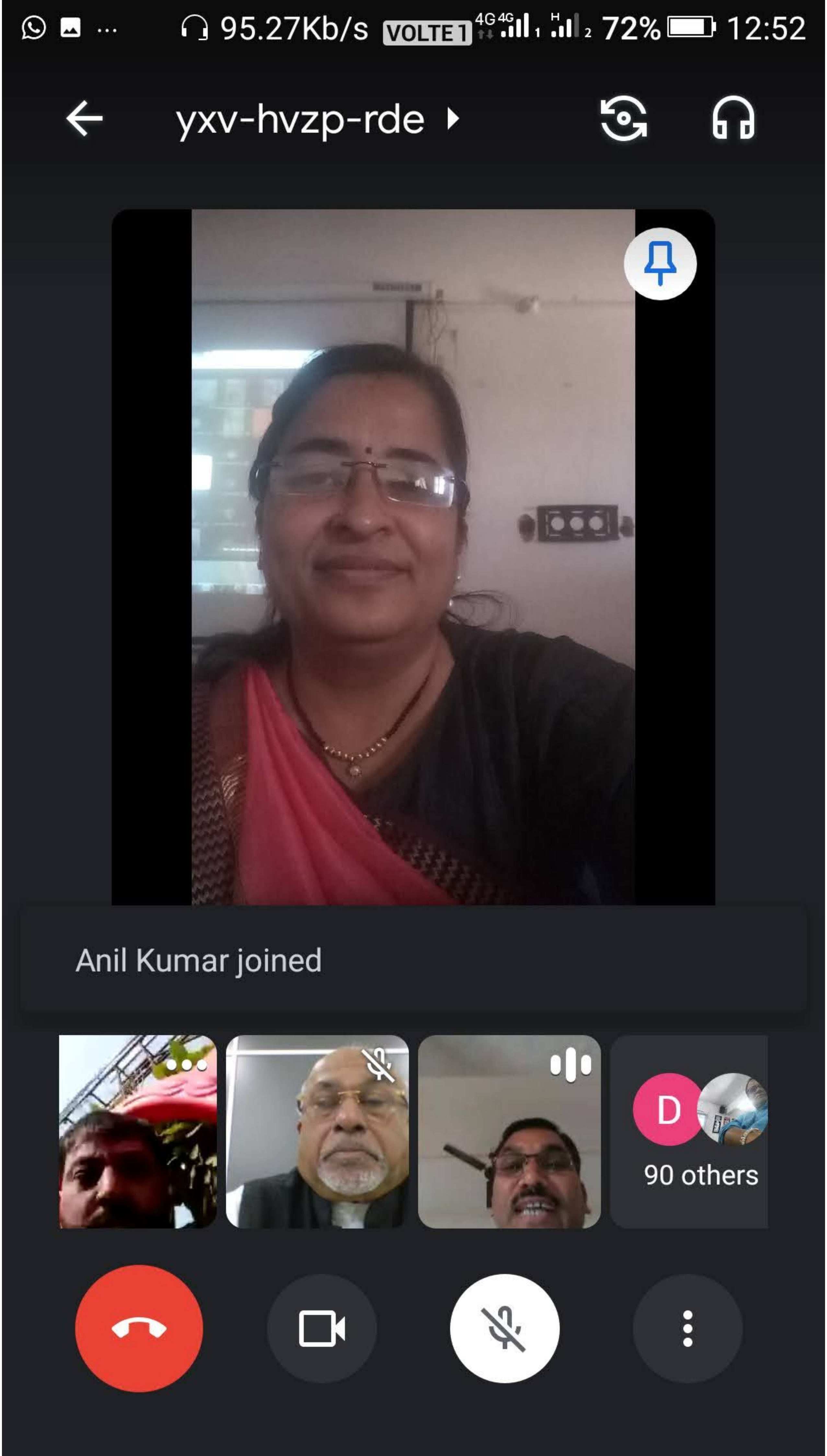

95.27Kb/s
VOLTE 1
72%
12:52
yxv-hvzp-rde
Anil Kumar joined
D
90 others

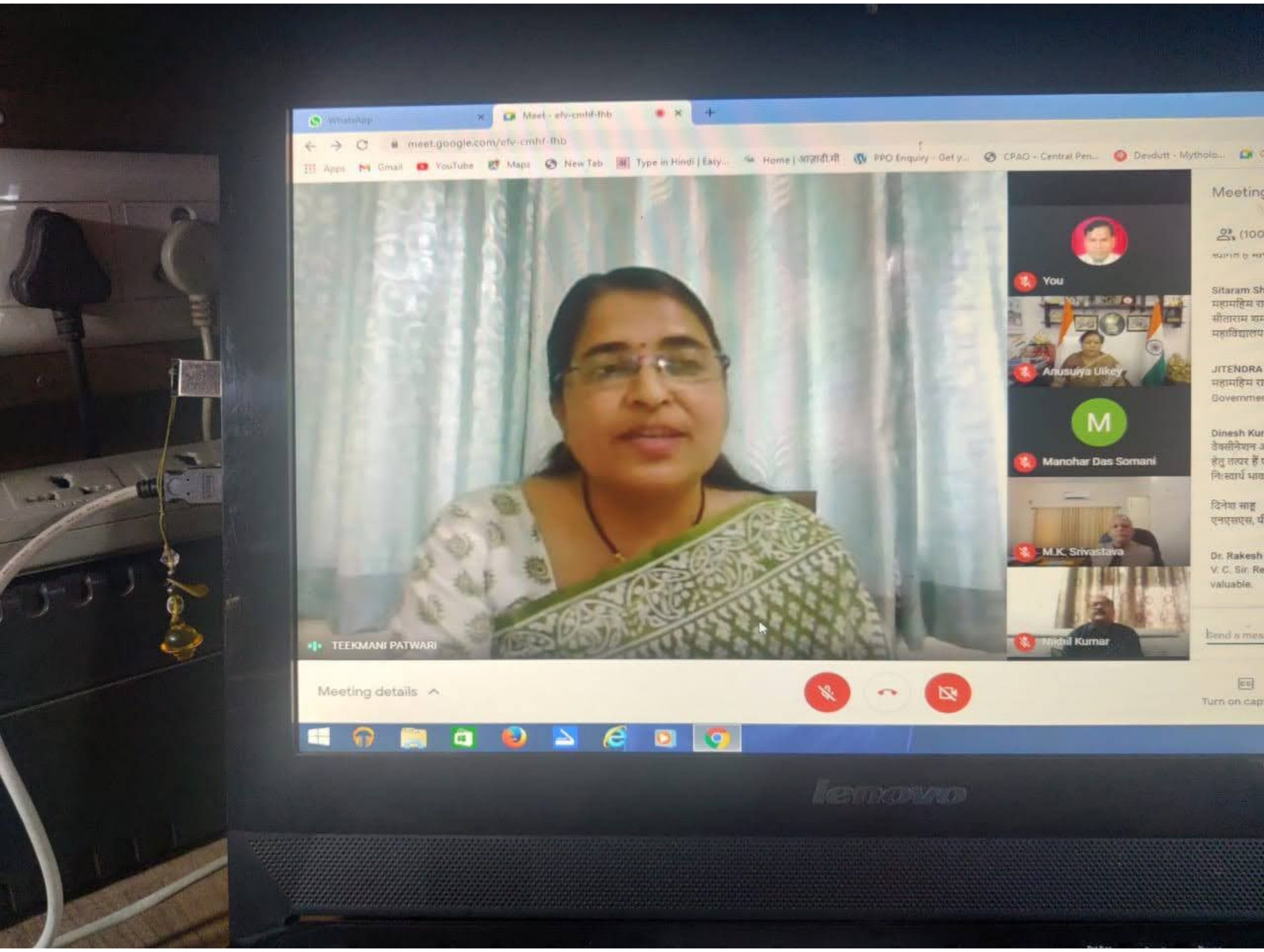
meet.google.com/efv-cmhf-fhb
TEEKMANI PATWARI
You
Anusuiya Uikey
Manohar Das Somani
M.K. Srivastava
Nikhil Kumar
Meeting details
lenovo

53.28Kb/s
VOLTE 1
69%
12:01
yxv-hvzp-rde
Kaustuk Bahuguna
T
You
A
76 others

144.41Kb/s VOLTE 1 81% 19:33

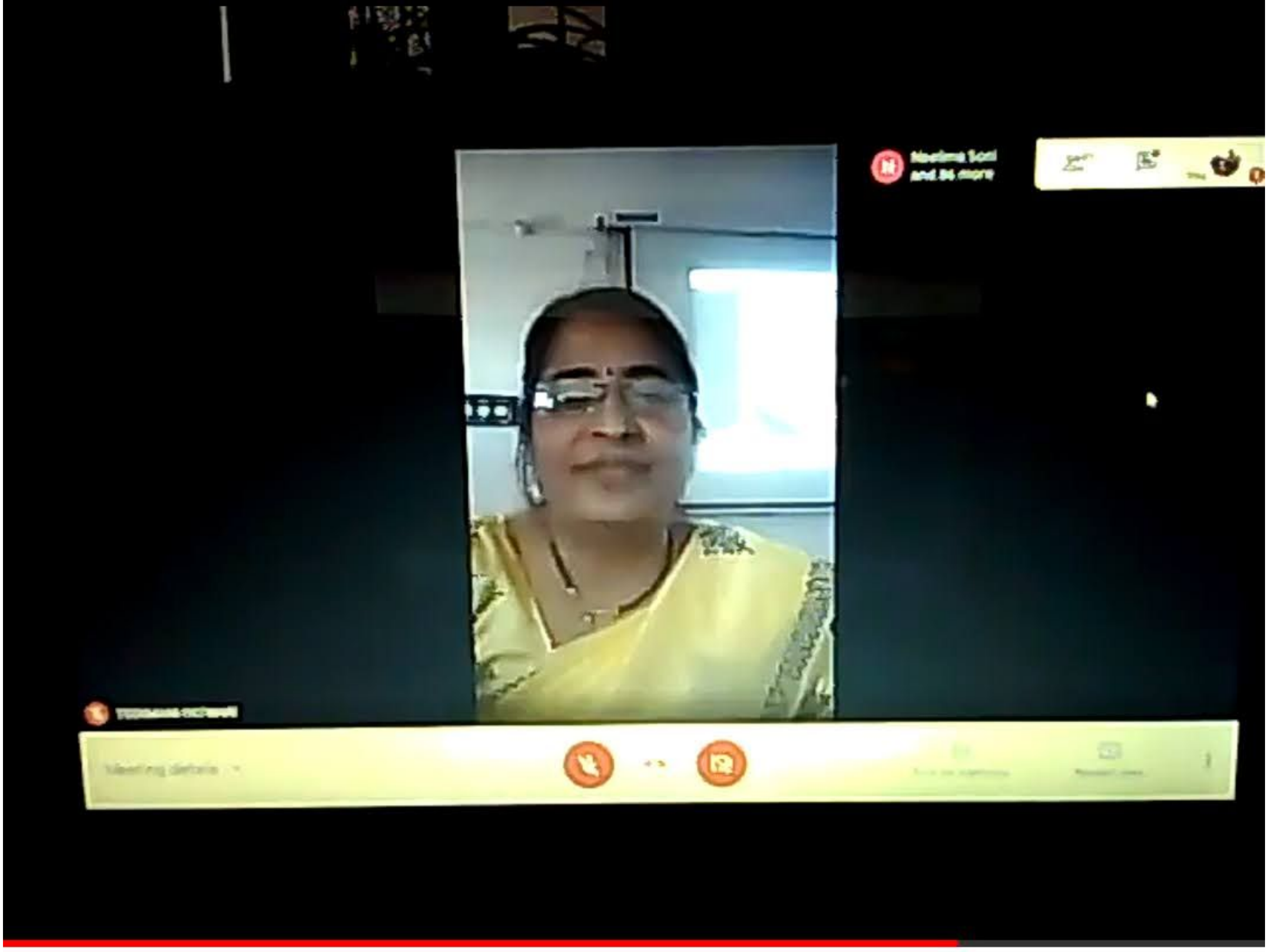

hindi webinar

237 views · 6 hours ago

42 4 Share Download Save

Govt. Auto. P G College ...
591 subscribers

SUBSCRIBE

Comments are turned off. Learn more

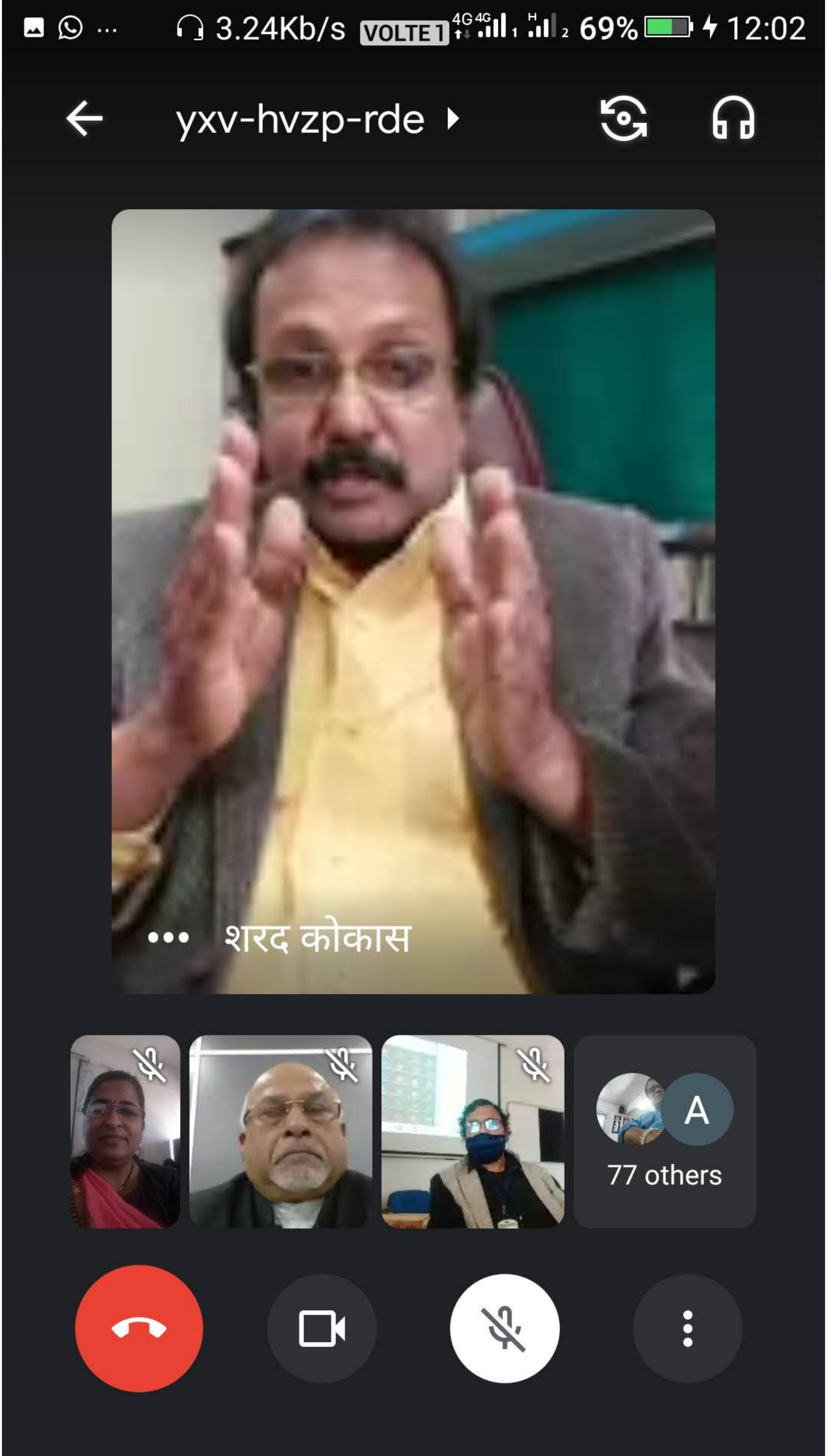
3.24Kb/s
69%
12:02
yxv-hvzp-rde
शरद कोकास
A
77 others

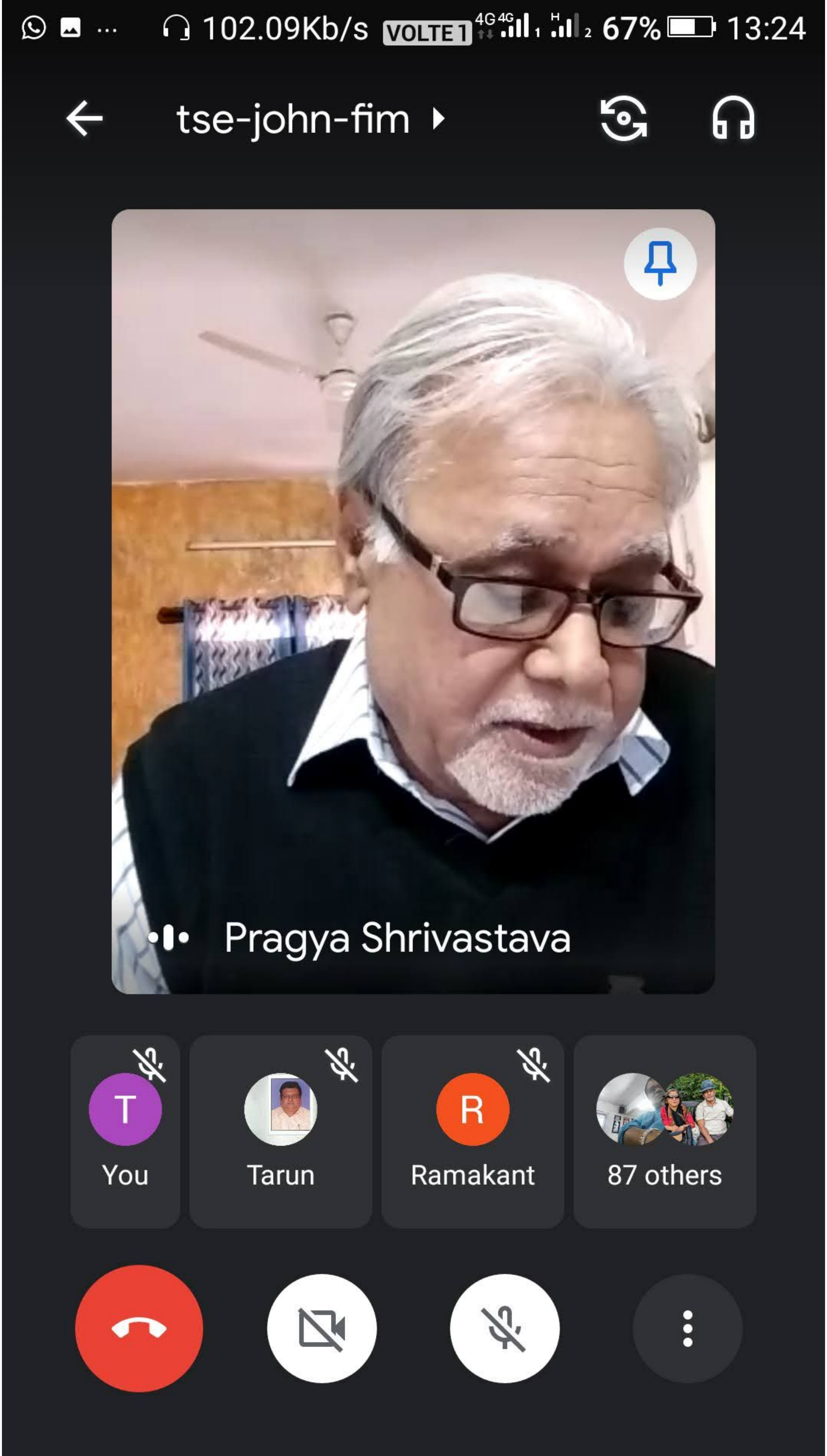
102.09Kb/s
VOLTE 1
67%
13:24
tse-john-fim
Pragya Shrivastava
You
Tarun
Ramakant
87 others

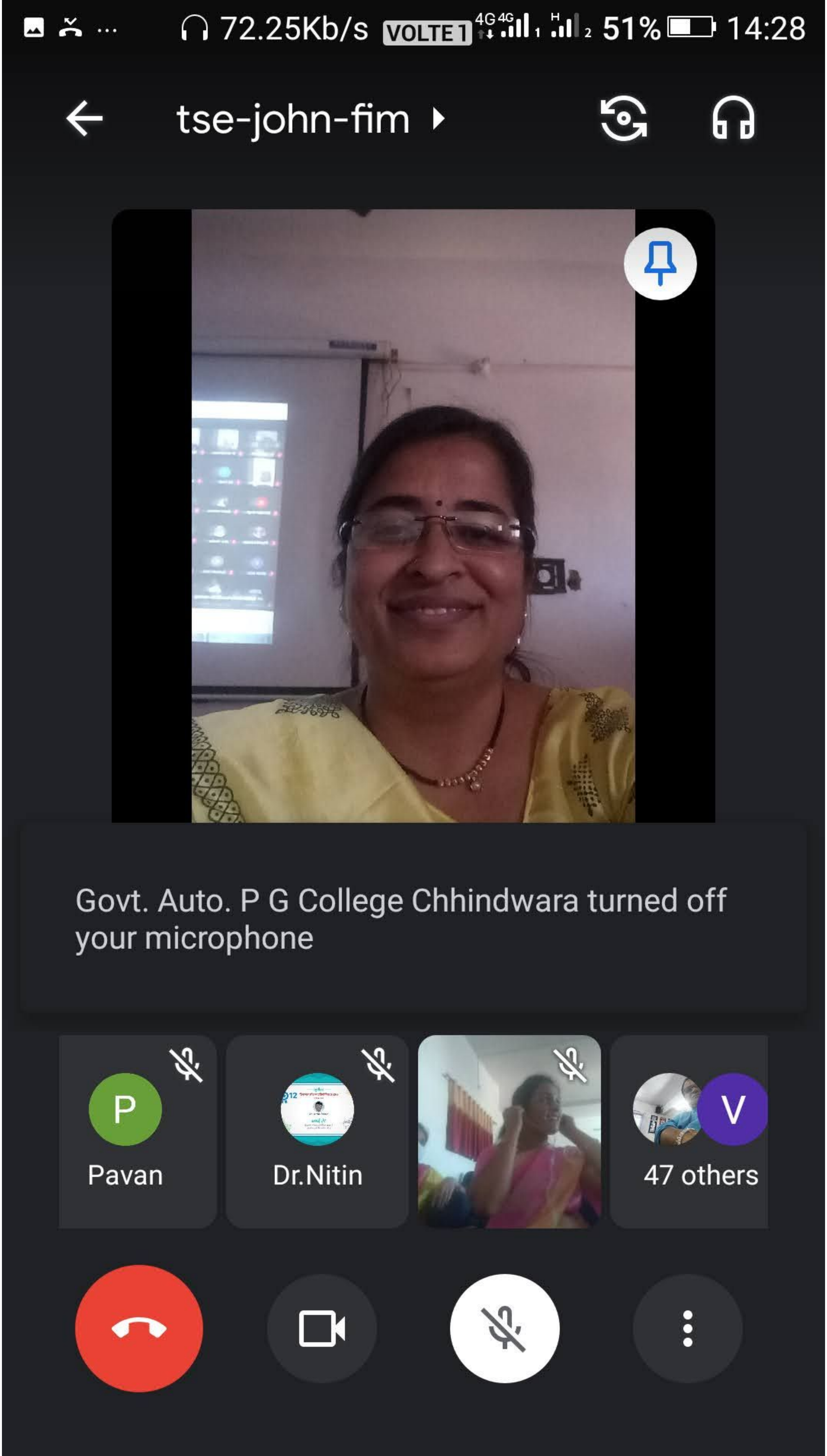
72.25Kb/s VOLTE 1 4G 4G H 51% 14:28
tse-john-fim
Govt. Auto. P G College Chhindwara turned off your microphone
P
Pavan
Dr.Nitin
V
47 others

17.85Kb/s VOLTE 1 4G 4G 82% 14:10

About this call

People | Info

TEEKMANI PATWARI (You)

Professor Amar Singh

Alok Mahore

Deeksha Raghuwanshi

suman Malvi

Preeti Sirsam

Dharmraj Dehariya

mubeen mansuri

ankit dolekar

Dr. Irfan Ahmed

Bhagyashri Dhabale

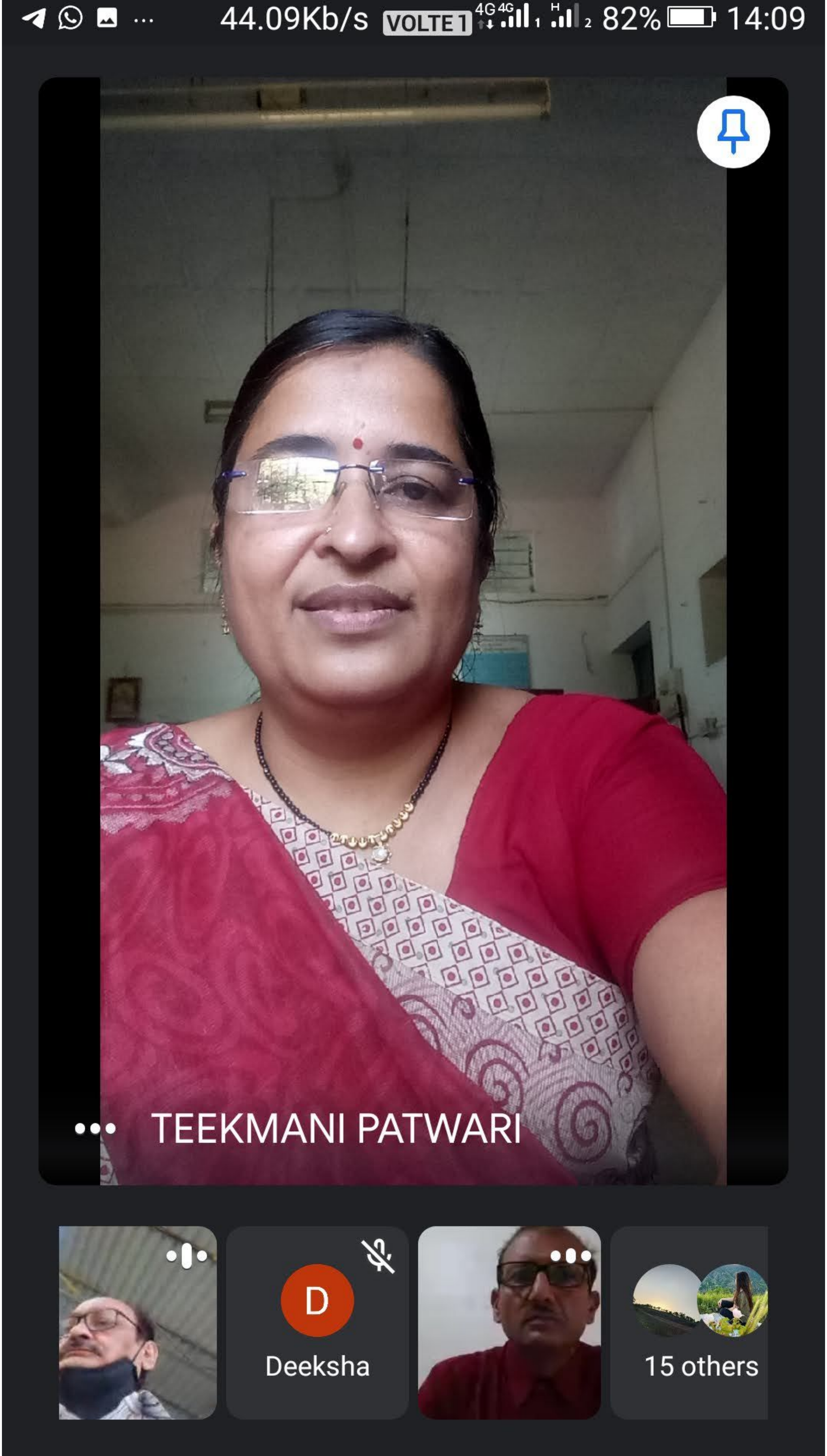
44.09Kb/s
VOLTE 1
82%
14:09
TEEKMANI PATWARI
D
Deeksha
15 others

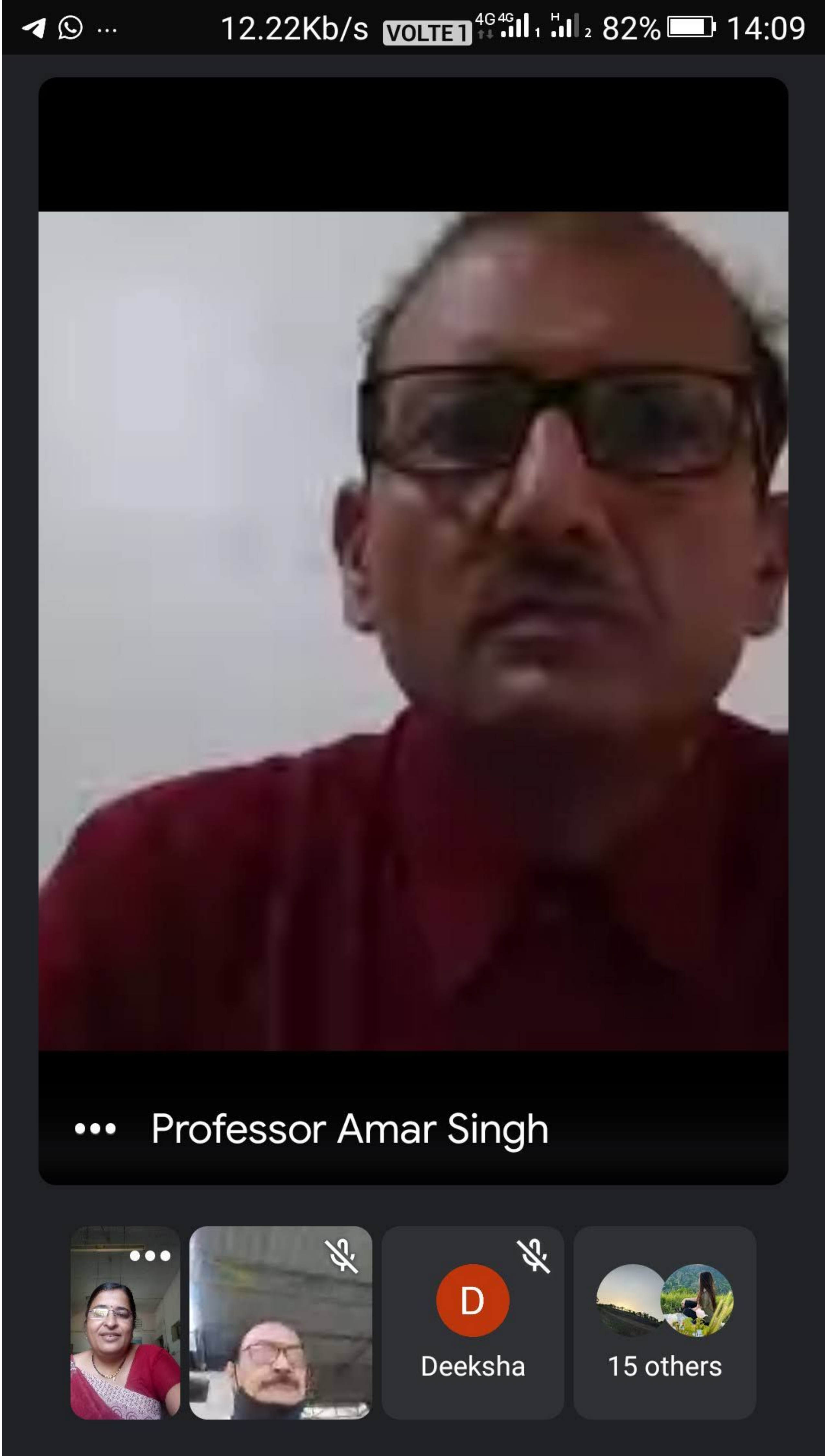
12.22Kb/s
VOLTE 1
82%
14:09
Professor Amar Singh
D
Deeksha
15 others

4.01Kb/s VOLTE 1 4G 4G 84% 14:15

About this call

People | Info

IN CALL

- TEEKMANI PATWARI (You)
- Anju Nagwanshi
- Punam Punam
- Deeksha Raghuwanshi
- Durgesh Uikey
- TRAPTI TEKHRE
- NITESH GOHIYA
- Vandna Uikey
- Atul Sharma
- Kavita Singh Rajput

12.23Kb/s VOLTE 1 4G 4G 76% 15:06

About this call

People | Info

ADD OTHERS

Share joining info

IN CALL

T TEEKMANI PATWARI (You)

S Surekha Dhurve

S Subhash Dhurve Dhur...

Ganesh Suryawanshi

M Mukesh Irpachi

Ankit CHOURE

r rakesh uikey

R Rahul Rahul pawar

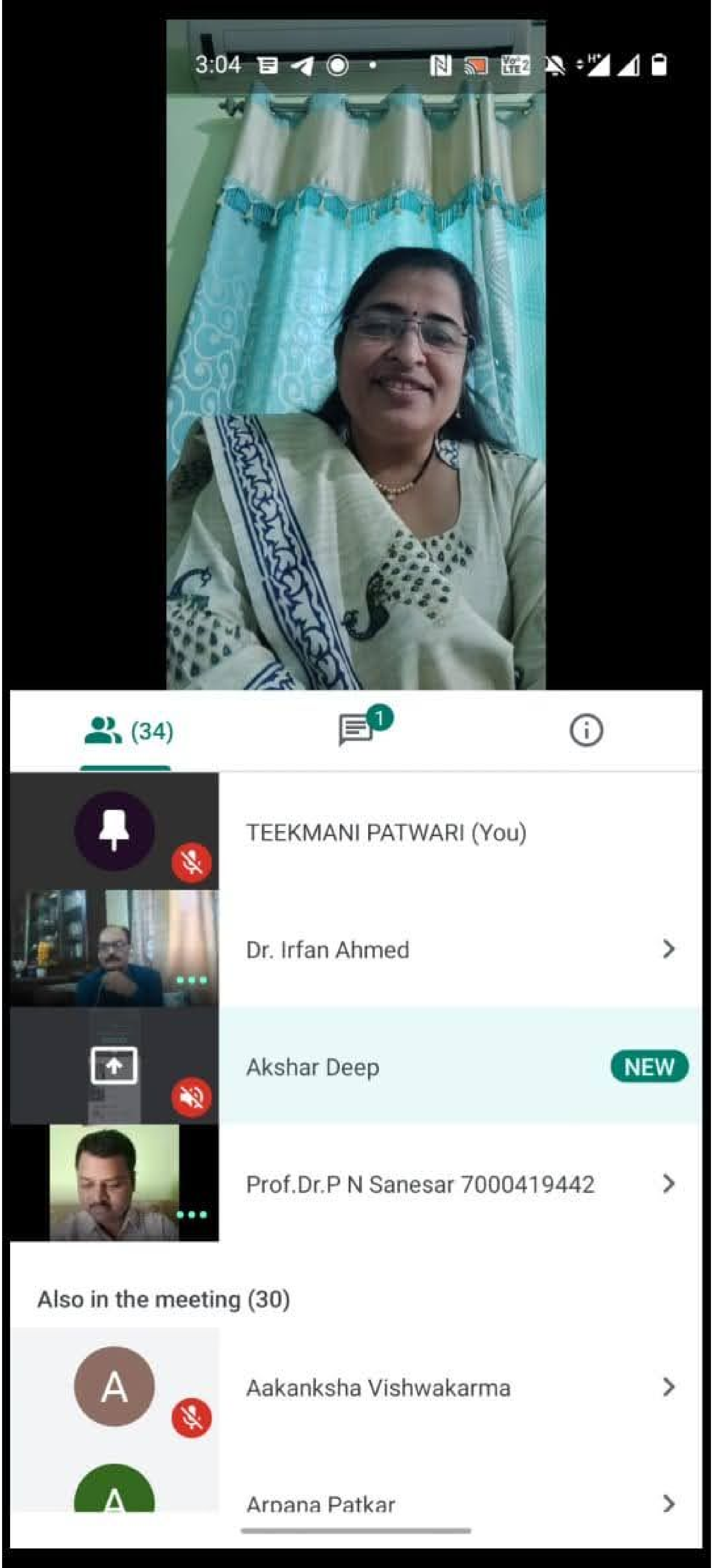
3:04
(34)
1
TEEKMANI PATWARI (You)
Dr. Irfan Ahmed
Akshar Deep
NEW
Prof.Dr.P N Sanesar 7000419442
Also in the meeting (30)
A
Aakanksha Vishwakarma
A
Arpana Patkar

5.89Kb/s VOLTE 1 4G 4G 87% 14:05

About this call

People | Info

ADD OTHERS

Share joining info

IN CALL

T TEEKMANI PATWARI (You)

Punam Punam

अंकित विश्वकर्मा

D Deeksha Raghuwanshi

Durgesh Uikey

D Deeksha Raghuwanshi

TRAPTI TEKHRE

हिंदी की उपयोगिता तभी जब हम इसे आचरण में उतारें

■ छिंदवाड़ाजबलपुरएक्सप्रेस।

हिन्दी दिवस के अवसर पर आज के परिवेश में हिन्दी भाषा की उपयोगिता विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया । वेबिनार मे शास्कीय स्व शास्कीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय छिन्दवाड़ा के हिन्दी विभाग के विभागाध्यसक्ष डॉ. लक्ष्मीचंद बड़गैया जी , सहायक प्राध्यापक डॉ. टीकमणि पटवारी, मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुये ।

साथ ही विश्व प्रकृति निधि जिला समन्वयक छिन्दवाड़ा विनोद तिवारी, अजय उपाध्याय और निर्मला इंग्लिस मीडियम स्कूल छिंदवाड़ा के शिक्षकगण व छात्र छात्राएं सहित अन्य साहित्यकार गण समाजसेवियों सहित अन्य जनों ने वेबीनार के माध्यम से विशेष रूप से शामिल हुये । कार्यक्रम में वक्ता डॉ.

के लिए भाषा का एक महत्वपूर्ण स्थान होता है । हिन्दी. एक वैज्ञानिक भाषा मानी जाती है , और हिन्दी की उपयोगिता तभी होगी जब हम इसे अपने आचरण में उतारेंगे । मानव सभ्यतता में जितने भी अविस्कार हुए है उनमें हिन्दी भाषा का अविस्कार सबसे महत्वतपूर्ण है। हिन्दी हमारी अस्तित्व, अस्मिता की पहचान है। प्रमुख वक्ता डॉ. लक्ष्मीचंद ने कहा कि, हिन्दी भाषा ही है जो हमें जोड़े हुए है । भारत में बहुत सारे लोग हिन्दी भाषा का उपयोग कर रहे हैं । समाजसेवी विनोद तिवारी ने कहा कि आज की महत्वपूर्ण जरूरत है कि हिन्दी भाषा का अधिक से अधिक उपयोग किया जाये और अंग्रेजी माध्यम के सभी स्कुलो में हिन्दी का उपयोग किया जाना बहुत जरूरी है। प्रचार अधिकारी राम सहाय प्रजापति ने

..., सोमवार 14 सितंबर 2020

एक्सप्रेस

E-Paper
divyaexpress.com

आसान है हिंदी साहित्य की उपलब्धता

हिंदी प्रचारिणी में आयोजित वेबिनार में वक्ताओं ने रखे विचार

[illegible]

[illegible]

हिंदी मिष्ट, शिष्ट एवं विशिष्ट भाषा

[illegible]

समाज में भाषा का महत्वपूर्ण स्थान है

[illegible]

आज के परिवेश में हिन्दी भाषा की उपयोगिता हिन्दी दिवस पर वेबिनार का हुआ आयोजन

छिन्दवाड़ा,देशबन्धु। क्षेत्रीय लोक संपर्क ब्यूरो छिन्दवाड़ा द्वारा कल 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के अवसर पर आज के परिवेश में हिन्दी भाषा की उपयोगिता विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया । वेबिनार में शासकीय स्व शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिन्दवाड़ा के हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. लक्ष्मीचंद बड़गैया, सहायक प्राध्यापक डॉ. टीकमणी पटवारी, मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुये । साथ ही विश्व प्रकृति निधि जिला समन्वयक छिन्दवाड़ा विनोद तिवारी, प्रादेशिक लोक संपर्क ब्यूरो के कार्यालय प्रमुख अजय उपाध्याय और निर्मला इंग्लिश मीडियम स्कूल छिंदवाड़ा के शिक्षकगण व छात्र छात्राएं सहित अन्य साहित्यकार गन समाजसेवियों सहित अन्य जनों ने वेबीनार के माध्यम से विशेष रूप से शामिल हुये । कार्यक्रम में वक्ता डॉ. टीकमणि पटवारी ने कहा कि व्यक्ति के लिए भाषा का एक महत्वपूर्ण स्थान होता है । हिन्दी एक वैज्ञानिक भाषा मानी जाती है। और हिन्दी की उपयोगिता तभी होगी जब हम इसे अपने आचरण में उतारेंगे । मानव सभ्यतता में जितने भी अविष्कार हुए हैं उनमें हिन्दी भाषा का अविष्कार सबसे महत्वतपूर्ण है । हिन्दी हमारी अस्तित्व, अस्मिता की पहचान है । भाषा का मनुष्य के जीवन को सरल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान है । आधुनिक युग में हिन्दी न केवल साहित्य बल्कि सभी क्षेत्रों में अपना सिक्का जमा रही है । हिन्दी भाषा को अपने आचरण में शामिल करने से ही इसका सही रूप से विस्तार होगा । शुद्ध उच्चारण, लेखन, और संयम से ही इसका प्रचार प्रसार होगा । हिन्दी ने दूसरी भाषाओं के विभिन्न शब्दों को अपने में आत्मसात किया है इसलिए इसकी शब्दकोश बहुत बड़ी है । हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए भारत के नागरिकों की जिम्मेदारी है । कई देशों में भी हिन्दी की पत्र पत्रिकाओं का प्रकाशन हो रहा है, और उसे पढ़ा भी जा रहा है । हिन्दी के क्षेत्र में भी रोजगार के कई अवसर उपलब्ध हैं । प्रमुख वक्ता डॉ. लक्ष्मीचंद बड़गैय्याने कहा किए हिन्दी भाषा ही है जो हमें जोड़े हुए है । भारत में बहुत सारे लोग हिन्दी भाषा का उपयोग कर रहे हैं । हम जो बोलते है वही लिखते है इसलिए शुद्ध उच्चारण करना बहुत जरूरी है ताकि भाषा की शुद्धता बनी रहे । समाजसेवी विनोद तिवारी ने कहा कि आज की महत्वपुर्ण जरूरत है कि हिन्दी भाषा का अधिक से अधिक उपयोग किया जाये और अंग्रेजी माध्यम के सभी स्कूलों में हिन्दी का उपयोग किया जाना बहुत जरूरी है । हम छोटी-छोटी चीजों को अपनाकर परिवर्तन ला सकते है हम आज प्रतिज्ञा करें कि आज से हम अपना हस्ताक्षर हिन्दी में करेंगे । आज शपथ ले कि हम अपना नाम पट्टिका हिन्दी में बनवायेंगे । हमें हिन्दी को अपनाना होगा ताकि उसका विकास और ज्यादा से ज्यादा किया जा सके । जय उपाध्याय ने कहा कि पहले लोगों में भ्रांति थी कि हिन्दी को सरकारी प्रयास करके आगे बढ़ाया जा रहा है, जबकि आज के परिवेश में हिन्दी किसी पर थोपी नहीं जा रही है बल्कि सहजता व सरलता के साथ अब लोग आगे आकर इसे अपना रहे हैं । आज के समय में मीडिया पर भी हिन्दी व अन्यत्र क्षेत्रीय भाषायें छायी हुयी है । हम अपनी भाषा में जितने अच्छे तरीके व प्रभावी तरीके से बात कर सकते हैं किसी अन्य भाषा में उतने अच्छे से नहीं कर सकते । कुछ दिनों से देखने में आ रहा है कि हिन्दी में आजकल उतनी शुद्धता नहीं अपनायी जा रही है, उसमें कई दूसरी भाषाओं के शब्दों का उपयोग किया जा रहा है । इस मिलावट के कारण हिन्दी की शुद्धता में कमी आयी है । हमें भाषा की शुद्धता का विशेष ध्यान रखना होगा, क्योंकि हिन्दी भाषा आमजन से लेकर के बहुत बड़े स्तर पर लोगों को जोड़ती है, बिना हिन्दी के हमारा भविष्य उज्जवल नहीं है ।

प्रचार अधिकारी राम सहाय प्रजापति ने वेबिनार का संचालन करते हुए कहा कि 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से इसे भारत की राजभाषा स्वीकार की थी और सन् 1953 से प्रतिवर्ष हम 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के रूप में मनाते हैं। उन्होंनें कहा कि हिन्दी भाषा का शब्दकोश बहुत विशाल है और यदि हम अपनी मातृभाषा में बात करने में शर्माते है तो हमें इसका खामियाजा उठाना पड़ेगा । ऐसा बिल्कुल भी नहीं है कि हिन्दी भाषी लोगों को समाज में सम्मानजनक स्थान नहीं मिलता बल्कि अपनी भाषा की अधिकाधिक उपयोग से ही हम अपने देश को आगे ले जा सकते हैं ।

अंत में उन्होंनें वेबिनार में शामिल सभी सदस्यों का आभार माना । विभाग की ओर से सिस्टर लिली पाल, श्रीमती शुक्रवार सहीत सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

दैनिक भास्कर

धर्म. समाज. संस्था

हिंदी दिवसः वक्ताओं ने कहा-हिंदी वैज्ञानिक भाषा, इसे अपने आचरण में उतारने की जरुरत

हिंदी दिवस के अवसर पर वेबिनार, निबंध प्रतियोगिता, संगोष्ठी का हुआ आयोजन

भास्कर न्यूज | छिंदवाड़ा

हिंदी दिवस के अवसर पर शहर में विविध संगठनों द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर वेबिनार, संगोष्ठी, निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गईं। क्षेत्रीय लोक संपर्क ब्यूरो द्वारा आज के परिवेश में हिन्दी भाषा की उपयोगिता विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया।

वेबिनार में शासकीय पीजी कॉलेज के हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. लक्ष्मीचंद बड़गैया, सहायक प्राध्यापक डॉ. टीकमणि पटवारी, मुख्यवक्ता के रूप में शामिल हुए। साथ ही विश्व प्रकृति निधि जिला समन्वयक विनोद तिवारी, प्रादेशिक लोक संपर्क ब्यूरो के कार्यालय प्रमुख अजय उपाध्याय विशेष रूप से शामिल हुए। डॉ. टीकमणि पटवारी ने कहा कि व्यक्ति के लिए भाषा का एक महत्वपूर्ण स्थान होता है। हिन्दी एक वैज्ञानिक भाषा मानी जाती है, और हिन्दी की उपयोगिता तभी होगी जब हम इसे अपने आचरण में उतारेंगे। मानव सभ्यतता में जितने भी अविष्कार हुए हैं उनमें हिन्दी भाषा का अविष्कार सबसे महत्वपूर्ण है। डॉ. लक्ष्मीचंद ने कहा कि हिन्दी भाषा ही है जो हमें जोड़े हुए है। हम जो बोलते हैं, वही लिखते हैं। इसलिए शुद्ध उच्चारण करना बहुत जरूरी है ताकि भाषा की शुद्धता बनी रहे। विनोद तिवारी ने कहा कि हम छोटी-छोटी चीजों को अपनाकर परिवर्तन ला सकते हैं। हम आज प्रतिज्ञा करें कि आज से हम अपना हस्ताक्षर हिन्दी में करेंगे। प्रचार अधिकारी राम सहाय प्रजापति ने वेबिनार का संचालन किया।

हिन्दी जनमानस की भाषा है

स्थानीय कांग्रेस सेवादल कार्यालय में हिन्दी दिवस पर परिचर्चा एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित साहित्यकार एवं कवि राजेन्द्र राही ने हिन्दी के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत विभिन्नताओं वाला देश है। यहां पर हर राज्य की अलग सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं ऐतिहासिक पहचान है। यही नही भाषा के अलावा सभी जगह की बोली भी अलग-अलग है। इसके बावजूद भी हिन्दी भारत में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा है। यही वजह है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिन्दी भाषा को जनमानस की भाषा कहा। संगोष्ठी में प्रमुख वक्ता कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष सुरेश कपाले, दीपक वाजपेयी, संजय पाण्डेय, निखिलेश चरण दुबे, चंदू ठाकरे सहभागिता की। आभार प्रदर्शन दिनेश डेहरिया ने किया। इस अवसर पर सेवादल के मिलिन्द नाडकर, राकेश मरकाम, कमल राय, कमल मदान, शेषराव उइके, पूनाराम देशवाले, कन्हैया सिगोनिया, राम कुमार डेहरिया आदि उपस्थित रहे।

निबंध प्रतियोगिता में छात्रों ने की सहभागिता

हिंदी दिवस पर डेनियलसन डिग्री कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा कार्यक्रम अधिकारी प्रो. रविंद्र नाफडे के मार्गदर्शन में सोमवार को सामाजिक परिपेक्ष के विकास में राष्ट्रभाषा हिंदी का योगदान विषय पर निबंध स्पर्धा हुई। स्वयं सेवकों ने घर में रहकर ही निबंध लिखकर स्पर्धा में सहभागिता की। स्वयंसेवकों ने राष्ट्रभाषा हिंदी के महत्त्व को बताते हुए सामाजिक परिपेक्ष के विकास के लिए इसकी आवश्यकता को बताया। संस्था प्राचार्य प्रो. श्रीमती स्मृति हाबिल ने राष्ट्रभाषा हिंदी का अपने दैनिक कार्यों में उपयोग करते हुए इसका सम्मान करने की अपील की। हिंदी विभाग की प्राध्यापक डॉ. श्रीमती माया शर्मा एवं प्रो. सीएस भारद्वाज ने अपने विचार व्यक्त किए।